राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,30 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–95 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिजल्ट आने के 48 घंटे में 9 छात्रों ने की आत्महत्या, 2 अन्य अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एग्जामिनेशन द्वारा बुधवार को 11वीं और 12वीं के नतीजे घोषित किए जाने के बाद आंध्र प्रदेश में नौ छात्रों ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि दो अन्य छात्रों ने भी आत्महत्या का प्रयास किया है। परीक्षा में करीब 10 लाख छात्र शामिल हुए थे। 11वीं का पास प्रतिशत 61 और 12वीं का 72 फीसदी रहा। आंध्र प्रदेश बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एग्जामिनेशन ने जैसे ही बुधवार को रिजल्ट जारी किया। 48 घंटे के भीतर 9 छात्रों ने मौत को गले लगा लिया। जबकि, दो ने आत्महत्या का प्रयास किया। खबरों के मुताबिक बी तरुण (17) ने श्रीकाकुलम जिले में एक ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। जिले के दांदू गोपालपुरम गांव का रहने वाला इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष का छात्र ज्यादातर पेपर में फेल होने के बाद मायूस बताया जा रहा था।

विशाखापट्टनम में छात्रा समेत दो ने किया सुसाइड

उधर, मलकापुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत त्रिनादपुरम में एक 16 वर्षीय लड़की ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। वह विशाखापत्तनम जिले की रहने वाली हैं। एक अखिलश्री इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के कुछ विषयों में असफल होने के बाद कथित तौर पर परेशान थी।

दूसरी ओर एक और 18 वर्षीय युवक ने विशाखापत्तनम के कंचारपालम इलाके में अपने आवास पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। वह इंटरमीडिएट के दूसरे वर्ष में एक विषय में फेल हो गया था।

बृजभूषण सिंह पर एफआईआर के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर बिजली-पानी काटा, बजरंग पूनिया का दावा

पूनिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दबाव में ही WFI अध्यक्ष ब्रृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। जब तक न्याय नहीं मिलता हम लोग यही रहेंगे चाहे पुलिस प्रशासन हम पर कितना भी अत्याचार करे।

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवालों के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे बजरंग पूनिया ने दिल्ली पुलिस पर भी परेशान करने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण पर एफआईआर दर्ज करने के बाद प्रदर्शन रहे पहलवानों को जंतर-मंतर से हटाने के लिए धरनास्थल के बिजली-पानी भी काट दिए हैं। बजरंग पूनिया ने कहा कि पुलिस प्रशासन यहां पर पानी नहीं लाने दे रहा है, खाना नहीं लाने दे रहा है और उन्होंने यहां की बिजली भी काट दी है। हमने कुछ सामान मंगाया था, लेकिन वो उसे भी यहां पर लाने नहीं दे रहे हैं और सामान लाने वाले को बाहर ही मारपीट कर भगा दे रहे हैं। किसी को कोई भी सामान अंदर नहीं लाने दे रहे हैं। पुलिस हमारे साथ ऐसा बर्ताव कर रही है। वो कह रहे हैं

कि अगर आपको धरना करना है तो सड़क पर सो जाओ। इनके ऊपर आज ऐसा कौन-सा दबाव आ गया है, आज से पहले इतनी दिक्कत नहीं थी।

पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दबाव में ही WFI अध्यक्ष ब्रृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। जब तक न्याय नहीं मिलता हम लोग यही रहेंगे चाहे पुलिस प्रशासन हम पर कितना भी अत्याचार करे।

वहीं, एक अन्य पहलवान सत्यव्रत कादियान ने कहा कि ये अच्छी बात है कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। एफआईआर से हमें क्या मिलेगा? एफआईआर से थोड़ी न्याय मिलता है? दिल्ली पुलिस को पहले ही दिन एफआईआर दर्ज कर लेनी चाहिए थी। अभी तो हमारी ऑन-पेपर लड़ाई शुरू हुई है। हमारी मांग है कि कुश्ती को राजनीति से अलग किया जाए और हमारी महिला पहलवानों का भविष्य सुरक्षित किया जाए।

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह पर दो एफआईआर दर्ज कीं

महिला पहलवानों द्वारा डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में दिल्ली पुलिस ने कनॉट प्लेस थाने में शुक्रवार को दो एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहली एफआईआर एक नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित है, जिसके तहत यौन अपराधों से बाल संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम समेत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, दूसरी एफआईआर शील भंग से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत वयस्क शिकायतकर्ताओं की शिकायतों की गहन जांच के लिए दर्ज की गई है।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री को जेल में होना चाहिए, तेजप्रताप के बाद आरजेडी के जगदानंद सिंह का हमला

पटना। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बिहार दौरे पर सियासत गर्मा गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप के बाद अब आरजेडी प्रदेशाध्यक्ष जगदानंद सिंह ने भी कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री पर हमला बोला है। जगदानंद ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री जैसे लोगों को जेल में रहना चाहिए। अफसोस है कि वे बाहर हैं। ये लोग संत परंपरा को खराब कर रहे हैं। इससे पहले मंत्री तेजप्रताप ने धीरेंद्र शास्त्री को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर बागेश्वर बाबा हिंदू-मुस्लिम करेंगे तो उन्हें बिहार से वापस लौटना पड़ेगा।

आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बाबा बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जैसे लोगों को जेल में रहना चाहिए। अफसोस की बात है कि वो बाहर हैं। जिसको

मन करता है वही बाबा बन जाता है। संत परंपरा को खराब किया जा रहा है। जगदानंद ने बीजेपी पर भी उन्माद बढ़ाने और समाज में तनाव पैदा करने का आरोप लगाया।

इससे पहले वन एवं पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप यादव ने भी बागेश्वर बाबा को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री को बिहार आने है तो स्वागत है, लेकिन अगर हिंदू-मुस्लिम को लड़वाने का काम करेंगे तो वापस लौटना पड़ेगा। तेजप्रताप ने यह भी कहा कि वे धीरेंद्र शास्त्री का पटना एयरपोर्ट पर घेराव करेंगे।

बता दें कि पटना के पास नौबतपुर के तेरत गांव में 13 से 17 मई के बीच धीरेंद्र शास्त्री का दरबार लगेगा। पहले यह कार्यक्रम पटना के गांधी मैदान में आयोजित होना था, मगर प्रशासन की ओर से वहां अनुमति नहीं मिली। बाबा बागेश्वर धाम के दरबार में लाखों लोगों के आने का अनुमान जताया जा रहा है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भोजपुरी में संदेश देते हुए लोगों से दरबार में आने की अपील की है।

राहुल गांधी के कहने पर यूपीएससी की तैयारी छोड़ बन गईं विधायक

अब ईडी के रडार पर कांग्रेस एमएलए अंबा प्रसाद

रांची। झारखंड में ईडी भ्रष्टाचार के मामलों में एक के बाद एक कद्दावर नेताओं और अधिकारियों पर शिकंजा कस रही है। अब प्रवर्तन निदेशालय के रडार पर बड़कागांव की कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद आ गई हैं। कांग्रेस विधायक के खिलाफ ईडी के रांची जोनल आफिस में मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर ईडी के डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी ने पुलिस से अंबा के खिलाफ दर्ज सारे एफआईआर की जानकारी मांगी थी। ईडी ने पूछा था कि अंबा खिलाफ प्रिडिकेटिव आफेंस का कोई केस दर्ज है या नहीं। ईडी के पत्राचार के बाद पुलिस ने विधायक के खिलाफ दर्ज कांडों की सूची ईडी को सौंप दी है। अंबा प्रसाद के खिलाफ जिन जिन कांडों की सूची भेजी गई है वे केरेडारी, बड़कागांव व कटकमदाह में दर्ज हैं। केरेडारी

कांड संख्या 37/18 में अंबा प्रसाद समेत पांच छह लोगों को आरोपी बनाया गया था। इस केस में पुलिस ने चार्जशीट दायर कर दी है। वहीं, बड़कागांव की कांड संख्या 113/21 में अंबा समेत 11 नामजद पर केस दर्ज है। ईडी को बताया गया है कि इस केस की जांच हो रही है। कटकमदाग थाना का केस 96/21 में विधायक को आरोपी बनाया गया है। इसकी भी छानबीन चल रही है। कटकमदाग में ही दर्ज कांड संख्या 217/21 में विधायक समेत चार नामजद हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, कांड की समीक्षा के बाद तय होगा कि ईडी किसी केस को टेकओवर करेगी या नहीं। हालांकि फिलहाल ईडी ने इनमें से किसी कांड में ईसीआईआर दर्ज नहीं किया है।

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने इस मामले में कहा, फिलहाल मैं कुछ भी प्रतिक्रिया नहीं दे सकती हूं। मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। श्रेष्ठ क्या कार्रवाई कर रही है और क्यों कर रही है इस बात की मुझे जानकारी नहीं है। जब कोई नोटिस या लिखित आदेश मिलेगा तब देखा जाएगा। बता दें, बड़कागांव से कांग्रेस MLA अंबा प्रसाद का नाम अक्सर सुर्खियों में रहता है। उनके माता और पिता दोनों इसी सीट से विधायक रह चुके हैं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सामान्य, मुगल रोड बर्फबारी के कारण बंद

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज (शनिवार) यातायात सामान्य है। मुगल रोड बर्फबारी के कारण यातायात के लिए बंद है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह 6 बजे से हल्के वाहनों को जम्मू से श्रीनगर तथा श्रीनगर से जम्मू की ओर रवाना किया जा रहा है। इन वाहनों के गुजरने के बाद भारी वाहनों को श्रीनगर से जम्मू की ओर रवाना किया जाएगा। आखिर में सुरक्षा बलों के वाहनों को जाने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि तय समय के बाद किसी भी वाहन को राजमार्ग पर आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस दौरान मुगल रोड से बर्फ हटाई जा रही है। यहां गुरुवार को ताजा बर्फबारी हुई है।

नोएडा मेट्रो के इन 5 और स्टेशनों पर 1 मई से मिलेगी पार्किंग सुविधा, देखें कितनी लगेगी फीस

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच चलने वाली एक्वा लाइन मेट्रो के पांच और स्टेशनों पर सोमवार 1 मई से पार्किंग की सुविधा शुरू हो जाएगी। अभी तीन स्टेशन पर पार्किंग चल रही है। इस लाइन पर कुल 21 स्टेशन हैं। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) अभी अपने कर्मचारियों से ही पार्किंग संचालित करवाएगा। पार्किंग में गाड़ियों की संख्या बढ़ने पर एनएमआरसी टेंडर जारी करेगा।

यहां मिलेगी पार्किंग सुविधा

एनएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि इस लाइन के सेक्टर-51, 137 और डेल्टा-1 पर पार्किंग की सुविधा है। अब इसी लाइन के सेक्टर-76, एनएसईजेड, सेक्टर-142, परी चौक और सेक्टर

अल्फा वन पर पार्किंग की सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह सुविधा एक मई यानि सोमवार से शुरू हो जाएगी। ऐसे में कुल आठ स्टेशन पर पार्किंग लोगों को मिलने लगेगी। हर स्टेशन पर 200 से 300 वाहनों की पार्किंग की जगह है।

अधिकारियों ने बताया कि डीएमआरसी की तरह अंदर-बाहर विज्ञापन से अटी हुई नोएडा-ग्रेनो मेट्रो नजर आएगी। इसे रैपिंग विज्ञापन नाम दिया गया है। एनएमआरसी ने इसके लिए टेंडर निकाला है। इससे राजस्व में वृद्धि होगी।

बढ़ रहीं सुविधाएं

इस लाइन का शुभारंभ 25 जनवरी 2019 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। अगले दिन से लोगों के लिए मेट्रो की सुविधा मिलनी शुरू हुई थी। एनएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि सवारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सेक्टर-51 पर ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट बढ़वा दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए एक्सरे बैग मशीन भी बढ़ाई गई हैं।

वाहनों के लिए पार्किंग फीस

स्कूटर-बाइक
06 घंटे के लिए-15 रुपये
6 से 12 घंटे के लिए-25 रुपये
सुबह 5 से रात 11 बजे तक- 30 रुपये
मासिक पास-500 रुपये
कार-टैक्सी के लिए
6 घंटे के लिए-25 रुपये
6 से 12 घंटे के लिए-50 रुपये
सुबह 5 से रात 11 बजे तक-55 रुपये
मासिक पास-1100 रुपये
रेस्टोरेंट की सुविधा जल्द शुरू होगी

सेक्टर-137 मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो के अंदर खानपान की सुविधा जल्द शुरू होगी। एनएमआरसी ने इसके लिए मॉक अप-मेट्रो ट्रेन तैयार की हुई है। रेस्टोरेंट शुरू करने के लिए सिटी सुपरमार्ट कंपनी का चयन भी किया जा चुका है।

दिल्ली को मिलने जा रही नई रफ्तार, दिसंबर तक 4 नए पुल और 2 अंडरपास हो जाएंगे तैयार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में विकास कार्य जोरों पर पर है और दिसंबर तक चार नए पुल और दो अंडरपास यातायात के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे कई रास्तों पर यातायात सुगम होगा। दिल्ली की लोक निर्माण मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों के साथ प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक के बाद यह बात कही। इस दौरान उन सभी अंडरपास और फ्लाईओवर पर चर्चा की गई, जिनका निर्माण और मरम्मत कार्य चल रहा है।

आतिशी ने बताया कि फिलहाल करीब 24 फ्लाईओवर की मरम्मत का कार्य चल रहा है, जिसे समय से पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्तमान में चल रहे प्रोजेक्ट की हर माह समीक्षा की जाए। साथ ही हर माह प्रोजेक्ट के हिसाब से प्रगति रिपोर्ट बनाकर उपलब्ध कराएं। सरकार का लक्ष्य सभी प्रोजेक्ट पर तेजी से काम पूरा करने का है, जिससे कि लोगों को यातायात में असुविधा न हो। दिसंबर तक यातायात के लिए जिन अंडरपास और फ्लाईओवर को खोला जाना है, उनमें सराय काले खां टी-जंक्शन फ्लाईओवर, पंजाबी बाग से राजा गार्डन तक के फ्लाईओवर का दोहरीकरण व विस्तार शामिल है।

भैरों मार्ग-रिंग रोड अंडरपास : यह जुलाई तक तैयार हो जाएगा। इसके खुलने पर भैरों मार्ग से रिंग रोड के रास्ते गाजियाबाद, नोएडा और पूर्वी दिल्ली आना-जाना आसान हो जाएगा।

मुकरबा चौक अंडरपास : मुकरबा चौक पर बादली से हैदरपुर जाने की दिशा में अंडरपास बन रहा है। अंडरपास बनने के बाद वाहनों को

लगभग 1.5 किमी कम दूरी तय करना पड़ेगी। इससे वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी।

कई प्रोजेक्ट जुलाई में ही पूरे होने की उम्मीद

1. आनंद विहार और अप्सरा बॉर्डर फ्लाईओवर : आनंद विहार आरओबी और अप्सरा बॉर्डर आरओबी के बीच छह लेन फ्लाईओवर बन रहा है। इससे रामप्रस्थ कॉलोनी, विवेक विहार और श्रेष्ठ विहार रेड लाइट पर लगने वाले ट्रैफिक जाम खत्म होगा।

2. सराय काले खां टी-जंक्शन पुल :

यह जुलाई तक बनेगा। इससे से टी-जंक्शन सिग्नल फ्री हो जाएगा। रिंग रोड होते हुए डीएनडी और आश्रम जाने वाले वाहनों को लाभ होगा।

3. पंजाबी बाग से राजा गार्डन तक के पुल : इस प्रोजेक्ट के तहत पंजाबी बाग स्थित दोनों सिंगल फ्लाईओवर को डबल किया जा रहा। दिसंबर तक प्रोजेक्ट का काम पूरा होगा।

4. करावल नगर, घोंडा-बृजपुरी जंक्शन पर डबल डेकर फ्लाईओवर : उत्तरी-पूर्वी दिल्ली में यमुना विहार व भजनपुरा के बीच 1.4 किमी लंबे डबल-डेकर फ्लाईओवर का निर्माण चल रहा है। निचला डेक पीडब्ल्यूडी फ्लाईओवर होगा, जबकि ऊपरी डेक पर मेट्रो लाइन होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

समाधान करे चीन

भारत और चीन के बीच उच्च रक्षा स्तरीय बातचीत सामयिक भी है और सार्थक भी। सामयिक इसलिए, क्योंकि इन दोनों देशों के बीच तनाव है और दोनों के बीच किसी भी स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान जरूरी है। विचार के उच्च स्तरीय आदान-प्रदान से भी आगे बढ़ने का रास्ता मिलने की उम्मीद बनी रहती है। यह बातचीत सार्थक इसलिए भी कही जाएगी, क्योंकि चीन अपनी ओर से सैन्य सहयोग का इच्छुक है या इच्छुक दिखना चाहता है। यह सकारात्मक ही है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्रों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन के रक्षा मंत्री भारत आए हुए हैं और भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ उनकी आमने-सामने बैठकर बातचीत हुई है। सर्वाधिक महत्व इस बात का है कि गुरुवार को हुई बातचीत में चीनी रक्षा मंत्री ली शंगफू ने भारत के साथ सैन्य सहयोग का प्रस्ताव दिया था, जिसे भारतीय रक्षा मंत्री ने शालीनता से टाल दिया। भारत का यह कदम चीन को और सोचने के लिए प्रेरित करे, तो इसमें एशिया और दुनिया की भलाई है। गलवान झड़प के बाद दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते तनाव के लिए बीजिंग ही जिम्मेदार है। अगर उसकी मंशा विवादों को रोकने की होती, तो वह नामकरण की कूटनीति पर आगे काम न कर रहा होता। अरुणाचल प्रदेश या हिंद महासागर में नामकरण की उसकी ताजा हिमाकत के बाद सैन्य सहयोग का प्रस्ताव कैसे सहज स्वीकार्य हो सकता है? सैन्य सहयोग तो उसी देश के साथ शोभा देता है, जिसके साथ सैन्य टकराव की रत्ती भर भी गुंजाइश न हो। भारतीय रक्षा मंत्री ने चीनी रक्षा मंत्री से बिल्कुल उचित कहा है कि चीन पहले की संधियों और सहमतियों को निभाए, तभी तो भारत रिश्ते सुधारने के प्रति आश्वस्त होगा। वाकई, भारत का बुनियादी हित तभी है, जब चीन सीमा विवाद समाधान की दिशा में इच्छा दर्शाए। हालांकि, चीन की मंशा शुक्रवार को स्पष्ट हुई। वह चाहता है कि दोनों देशों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। मतलब, संवाद का विषय सीमा विवाद भी रहे और सैन्य व अन्य मोर्चों पर सहयोग भी बढ़े। क्या ऐसा संभव है? क्या भारत सीमा पर भारी तनाव झेलते हुए भी मित्रवत रवैया रख सकता है? जमीन भारत ने नहीं, चीन ने हड़पी है, तो जाहिर है, हड़पी हुई जमीन की वापसी पर जोर न देने पर भारत का ही अहित है। यह गौर करने की बात है कि भारत सीमा विवाद की भारी कीमत रोज चुका रहा है। हमारे 50 हजार से ज्यादा सैनिक चीन से लगती सीमा पर तैनात हैं। सीमा पर स्थिति सामान्य होने के बाद ही इन सैनिकों की वापसी हो सकती है। ऐसे में, चीन की बात को मान लेने में भारत को आर्थिक और सामरिक नुकसान है। वास्तविक सीमा रेखा पर गतिरोध का अंत दोनों देशों को जल्दी करना चाहिए। इस बीच ऐसा भी नहीं है कि भारत आगे बढ़कर चीन से किसी मोर्चे पर मुठभेड़ कर रहा हो। चीन के साथ आयात-निर्यात में निरंतर वृद्धि हो रही है। चीन जिस दीर्घकालिक और रणनीतिक दृष्टिकोण की चर्चा कर रहा है, वास्तव में उस पर भारत दशकों से काम कर रहा है। चीन के पास ऐसी एक भी मिसाल नहीं है कि वह भारत को अपनी किसी समस्या की वजह बता सके। साथ ही, व्यावसायिक रूप से चीन को ही भारत के साथ चलते हुए ज्यादा फायदा है। अत- संबंधों को शालीनता व वैश्विक समझदारी के साथ पटरी पर लौटा लाना चीन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

अनुमान से ज्यादा पिघले हिमालयी ग्लेशियर

मुकुल व्यास

गर्म जलवायु हिमालय के ग्लेशियरों को पिघला रही है। भारतीय उपमहाद्वीप के अरबों लोगों के लिए ये ग्लेशियर पानी के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इन ग्लेशियरों की बर्फ सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदियों को पोषित करती है। ग्लेशियरों की बर्फ सिर्फ जीवनदायक जल का स्रोत ही नहीं है, यह पृथ्वी और हमारे महासागरों के ऊपर एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। ये चमकीले सफेद धब्बे अंतरिक्ष में अतिरिक्त गर्मी को परावर्तित करते हैं और ग्रह को ठंडा रखते हैं। सिद्धांत रूप से आर्कटिक भूमध्य रेखा की तुलना में ठंडा रहता है क्योंकि सूर्य से अधिक गर्मी बर्फ से परावर्तित होकर वापस अंतरिक्ष में चली जाती है। दुनिया भर के ग्लेशियर कई सौ साल पुराने हो सकते हैं। इनसे हमें यह वैज्ञानिक रिकॉर्ड मिलता है कि समय के साथ जलवायु कैसे बदल गई है। उनके अध्ययन से हमें इस बात की बहुमूल्य जानकारी मिलती है कि हमारा ग्रह किस हद तक तेजी से गर्म हो रहा है। एंटार्कटिका और आर्टिक के बाद दुनिया का तीसरा बड़ा बर्फ का भंडार हिमालय के पर्वतों में पाया जाता है। अब इस दुर्गम क्षेत्र के पहले संपूर्ण अध्ययन से पता चला है कि हिमालय के ग्लेशियर अपनी अरबों टन बर्फ गंवा चुके हैं। समय-समय पर अनेक वैज्ञानिक अध्ययनों में हिमालय के ग्लेशियरों के पिघलने के बारे में चेतावनी दी जा चुकी है। लेकिन नई बात यह है कि यह नुकसान वैज्ञानिकों द्वारा लगाए अनुमानों से कहीं बहुत ज्यादा है। एक नए अध्ययन से पता चलता है कि हिमालय की झीलों में खत्म होने वाले ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर नुकसान को काफी कम करके आंका गया है। इसकी वजह यह है कि उपग्रह पानी के नीचे होने वाले ग्लेशियर के परिवर्तनों को देखने में अक्षम हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि पिछले आकलन में वृहत हिमालय में झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों के कुल नुकसान को 6.5 प्रतिशत कम करके आंका गया था। मध्य हिमालय में 10 प्रतिशत कम आकलन हुआ, जहां हिमनद से बनी झीलों का विकास सबसे तेज था। इस क्षेत्र से एक दिलचस्प मामला गेलोंग को झील का है, जिसमें ग्लेशियर क्षति का 65 प्रतिशत कम आकलन हुआ है। पानी के नीचे बड़े पैमाने पर होने वाले परिवर्तनों का पता लगाने में उपग्रह इमेजिंग की सीमाएं हैं। इसी वजह से यह चूक हुई। इससे ग्लेशियरों के संपूर्ण नुकसान के बारे में हमारी समझ में अंतर आया है। इस क्षेत्र में 2000 से 2020 तक सिकुड़ते हुए ग्लेशियरों से बनी झीलों की संख्या में 47 प्रतिशत, क्षेत्रफल में 33 प्रतिशत और आयतन में 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस विस्तार के परिणामस्वरूप ग्लेशियर द्रव्यमान का 2.7 जीटी (ग्रॉस टनेज) का अनुमानित नुकसान हुआ। पिछले अध्ययनों ने इस नुकसान पर विचार नहीं किया था क्योंकि प्रयुक्त उपग्रह डेटा केवल झील के पानी की सतह को माप सकते हैं, लेकिन पानी के नीचे की बर्फ को नहीं नाप सकते जो पानी में बदल जाती है। क्षेत्रीय जल संसाधनों और हिमनद-झीलों में आकस्मिक बाढ़ के प्रभावों को समझने के लिए ये निष्कर्ष बहुत महत्वपूर्ण है। झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों से बड़े पैमाने पर होने वाले नुकसान को समझकर शोधकर्ता इन ग्लेशियरों के वार्षिक द्रव्यमान संतुलन का अधिक सटीक आकलन कर सकते हैं। नया अध्ययन हिमालय के ग्लेशियरों के नुकसान के कारणों को समझने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। साथ ही शोध यह भी दर्शाता है कि दुनिया में झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर हो रहे नुकसान को भी समझने की जरूरत है। पूरी दुनिया में 2000 और 2020 के बीच ग्लेशियरों का नुकसान 12 प्रतिशत होने का अनुमान है। आस्ट्रिया की ग्राज यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक और इस अध्ययन के सह-लेखक टोबियास बोल्च ने कहा कि ग्लेशियरों के नुकसान के पूर्वानुमान मॉडलों में झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों के नुकसान को भी शामिल किया जाना चाहिए। एक अन्य सह-लेखक डेविड रोंस ने कहा कि 21वीं सदी में ग्लेशियरों के कुल नुकसान में झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों का प्रमुख योगदान बना रहेगा। बड़े पैमाने पर नुकसान होने पर ग्लेशियर मौजूदा अनुमानों की तुलना में अधिक तेजी से गायब हो सकते हैं। ग्लेशियरों के अधिक सटीक अध्ययन से शोधकर्ता हिमालय के संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्र में भविष्य में जल संसाधन की उपलब्धता का बेहतर अनुमान लगा सकते हैं। आज पृथ्वी पर लगभग 10 प्रतिशत भूमि क्षेत्र ग्लेशियरों की बर्फ से ढकी हुई है। लगभग 90 प्रतिशत बर्फ अंटार्कटिका में है, जबकि शेष 10 प्रतिशत ग्रीनलैंड की आइस कैप में है। अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड में तेजी से ग्लेशियरों के पिघलने से भी समुद्र की धाराएं प्रभावित होती हैं, क्योंकि भारी मात्रा में ग्लेशियरों का पिघला हुआ ठंडा हुआ पानी समुद्र के गर्म पानी में प्रवेश कर रहा है। इससे समुद्र की धाराएं धीमी हो रही हैं। जैसे-जैसे जमीन पर बर्फ पिघलेगी, समुद्र के स्तर का बढ़ना जारी रहेगा। वैसे 1900 की शुरुआत से ही दुनिया भर के कई ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इसकी मुख्य वजह मानवीय गतिविधियां हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन ने तापमान बढ़ा दिया। ध्रुवों में भी तापमान बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। अगर हम आने वाले दशकों में उत्सर्जन पर काफी हद तक अंकुश लगाने में कामयाब भी हो जाते हैं तो भी 2100 से पहले दुनिया के बचे हुए ग्लेशियरों में से एक-तिहाई पिघल जाएंगे। जहां तक समुद्री बर्फ की बात आती है, तो आर्कटिक में सबसे पुरानी और सबसे मोटी बर्फ का 95 प्रतिशत हिस्सा पहले ही खत्म हो चुका है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि उत्सर्जन अनियंत्रित रूप से बढ़ता रहा, तो वर्ष 2040 तक गर्मियों में आर्कटिक बर्फ मुक्त हो सकता है क्योंकि समुद्र और हवा का तापमान तेजी से बढ़ता रहेगा। लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

पूर्वोत्तर में शांति व विकास की पहल

असम-अरुणाचल सीमा समझौता/ लक्ष्मी शंकर यादव

असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच एक लम्बी अवधि से चले आ रहे अंतर्राज्यीय सीमा विवाद को समाप्त कर लिया गया है। 20 अप्रैल को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक समझौते 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' पर हस्ताक्षर किए। निःसंदेह, लगभग पांच दशक पुराने इस विवाद का समाधान होना वास्तव में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। राजग सरकार ने पूर्वोत्तर में शान्ति की स्थापना और हिंसा खत्म करने के लिए एनएलएफटी, कार्बी आंगलोग और आदिवासी गुटों के साथ समझौता करवाकर विवादों को समाप्त किया है। इस तरह पूर्वोत्तर में शांति की एक नई पहल शुरू हुई है। उल्लेखनीय है कि इस सीमा विवाद के हल के लिए चर्चा हेतु गत वर्ष क्षेत्रीय समितियों का गठन किया गया था जिसमें मंत्री, स्थानीय विधायक और दोनों राज्यों के अधिकारी शामिल किए गए थे। विदित हो कि असम और अरुणाचल राज्य लगभग 804 किलोमीटर से ज्यादा लम्बी सीमा को साझा करते हैं। 15 जुलाई, 2022 को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 'नामसाईं घोषणापत्र' पर हस्ताक्षर करके इस बात का संकल्प लिया था कि वे दोनों सीमा विवाद का हल निकालेंगे। इसी कारण जुलाई, 2022 से ही दोनों प्रदेशों के मध्य इस मसले पर वार्ता चल रही थी। अब दोनों राज्यों ने 123 गांवों के इस विवाद को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इन पर अरुणाचल प्रदेश ने दावा किया था। अभी कुल गांवों में से 71 गांवों की स्थिति को लेकर स्पष्ट सहमति बन गई है। इनमें से 10 गांव असम राज्य में ही बने रहेंगे और 60 गांव असम राज्य से लेकर अरुणाचल प्रदेश में शामिल किए जाएंगे। एक गांव को अरुणाचल प्रदेश से लेकर असम राज्य में शामिल किया जाएगा। अर्थात 71 विवादित गांवों में से 60 गांव अरुणाचल प्रदेश को मिले और 11 गांव असम प्रान्त को प्राप्त हुए। इस संबंध में अरुणाचल प्रदेश लगातार यह कहता रहा है कि मैदानी हिस्सों में स्थित कई वन क्षेत्र पारम्परिक रूप से पहाड़ी क्षेत्र के आदिवासी प्रमुखों और समुदायों के हुआ करते थे और उन्हें एकतरफा फैसले में असम राज्य को दे दिया गया था। उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश को 1972 में केन्द्रशासित प्रदेश घोषित किया गया था। अब शेष बचे 52 गांवों में से 49 गांवों की सीमाओं का निर्णय आने वाले छह महीनों में कर लिया जाएगा। यह मसला क्षेत्रीय समितियों द्वारा निश्चित किया जाएगा। इस मामले में अब दोनों राज्य कोई नया दावा प्रस्तुत नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतर्राज्यीय सीमा विवाद वर्ष 1972 में शुरू हुआ था। इसी वर्ष असम से अरुणाचल अलग हुआ था। वर्ष 1972 से लेकर वर्ष 1979 तक की अवधि में 396 किलोमीटर की सीमा तय हो गई थी लेकिन सर्वे को लेकर विवाद हो गया और काम रुक गया। दरअसल, अरुणाचल प्रदेश असम के 1000 वर्ग किलोमीटर मैदानी क्षेत्र पर अपना दावा जता रहा था। अलग राज्य बनाए जाने में वर्ष 1951 के एक नोटिफिकेशन को लागू किया गया था। इस पर अरुणाचल प्रदेश को एतराज था। वर्ष 1951 में तत्कालीन केन्द्र सरकार ने बोरदोलोई समिति का गठन किया था। इस कमेटी ने 3648 वर्ग किलोमीटर का मैदानी क्षेत्र यानी कि वर्तमान समय के जानोई, धेमाजी व दरांग जिलों को असम में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया था। इस संबंध में अरुणाचल प्रदेश का कहना था कि इस प्रक्रिया में उसकी सलाह नहीं ली गई और जिन इलाकों को असम में स्थानांतरित किए जाने की बात कही गयी उनके रीति-रिवाज अरुणाचल के ही हैं। असम और अरुणाचल प्रदेश के सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वर्ष 1979 में दोनों प्रदेशों की सरकारों ने एक संयुक्त कमेटी बनाई थी परन्तु यह कमेटी इस विवाद का कोई हल नहीं निकाल पाई। इसके बाद सन 1983 में अरुणाचल प्रदेश ने असम राज्य को एक प्रस्ताव भेजकर 956 वर्ग किलोमीटर जमीन मांगी। वर्ष 1989 में असम सरकार ने इस मसले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में सिविल मुकदमा दाखिल किया। कालांतर में वर्ष 2007 में तरुण चटर्जी कमीशन के सामने अरुणाचल प्रदेश ने अपने प्रपोजल में जमीन का दावा 956 वर्ग किलोमीटर से बढ़ाकर 1119.2 वर्ग किलोमीटर कर दिया। इससे मामला फिर उलझ गया। वर्ष 2009 में असम राज्य ने अरुणाचल प्रदेश का दावा खारिज कर दिया। दरअसल, चटर्जी कमीशन अरुणाचल प्रदेश के दावे को कुछ हद तक स्वीकार करने का इच्छुक था। इसके बाद दोनों राज्यों का तनाव बरकरार रहा। अब असम तथा

अरुणाचल राज्यों के बीच तकरीबन पांच दशक से चले आ रहे सीमा विवाद के समाधान किए जाने के बाद अब यह आशा की जानी चाहिए कि भविष्य में दोनों राज्य इस मुद्दे से आगे बढ़कर अपने इलाकों में अन्य समस्याओं का हल खोजकर अपने-अपने राज्यों के विकास की तरफ ध्यान देंगे।

महिला खिलाड़ी होते हुए भी नहीं समझा महिला खिलाड़ियों का दर्द

(लेखक-सनत जैन)

अर्जुन पुरस्कार विजेता 4स्वर्ण और 7 रजत पदक सहित 101 अवार्ड जीतने वाली पीटी उषा कभी खिलाड़ी रहीं होंगी। तब वह खिलाड़ियों का दर्द बयां करती थी। खिलाड़ियों को किस-किस तरह की की परेशानी होती है। कैसे उनका शोषण होता है। यह बताते हुए उनका मुंह नहीं थकता था। समय बदला, समय के साथ-साथ पीटी उषा भी बदल गई हैं। पहले वह खेल की दुनिया में अपना परचम फैलाने के लिए लड़ाई लड़ रही थी। जब परचम फैल गया, तो महिला खिलाड़ियों का शोषण उन्हें नजर नहीं आ रहा है। जिन समस्याओं का उल्लेख वह 1985 से लेकर 2000 तक खिलाड़ियों की पीड़ा का वर्णन करती थी। अब सत्ता के नशा और सत्ता के अहंकार में, उन्हें महिला खिलाड़ी भारत की छवि खराब करती हुई नजर आ रही हैं। जिन महिला खिलाड़ियों ने कुस्ती संघ के अध्यक्ष सांसद बृजभूषण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। आरोप लगाने वाली महिला खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय मेडल जीतकर भारत की शान सारी दुनिया में बढ़ा चुकी हैं पीटी उषा ने महिला पहलवानों के यौन शोषण के विरोध को घोर अनुशासनहीनता बताया है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष होते हुए उन्होंने कार्यकारी समिति की बैठक में महिला खिलाड़ियों को, भारत की छवि खराब करने वाला बता दिया। उनके हिसाब से यौन शोषण का विरोध करना और सरकार द्वारा महीनों उनके आरोपों में कार्यवाही नहीं करना, खेल संघों द्वारा मौन साध लेना, भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष होते हुए उन्हें महिला खिलाड़ी के आरोप पिछले कई महीनों से उन्हें नहीं दिखे। जब खिलाड़ी जंतर मंतर पर जाकर धरने पर बैठ गए। तब पीटी उषा कह रही हैं, की कुश्ती संघ के खिलाड़ियों को एथलीट आयोग में आकर शिकायत करनी चाहिए थी। कुश्ती और एथलीट का अंतर भी शायद पीटी उषा राजनेता बनकर भूल चुकी हैं। पीटी उषा को राष्ट्रपति ने 6 जुलाई 2022 को खेल कोटे से राज्यसभा का सदस्य नामांकित किया है। निश्चित रूप से उनके ऊपर सरकार की कृपा है। राज्यसभा सदस्य बनने के बाद 8 दिसंबर 2022 को वह निर्विरोध ओलंपिक संघ की अध्यक्ष भी चुन ली गई। राज्यसभा की सदस्य बनते ही उन्हें राज्यसभा के उपाध्यक्ष पैनल में भी चुन लिया गया। रही-सही कसर केरल राज्य में भारतीय जनता पार्टी अपना वर्चस्व बढ़ाने के प्रयास में लगी हुई है। पीटी उषा के रूप में उन्हें केरल में एक ऐसी शख्सियत मिल गई है। जिसके सहारे भाजपा केरल में अपना जनाधार बढ़ा सकती है। पीटी उषा अब दरबारी बन चुकी हैं। सत्ता का नशा दरबारी के सिर पर चढ़कर बोलता है। जो भी उन्होंने बोला है, निश्चित रूप से सत्ता के दबाव में बोलना उनकी मजबूरी है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन शोषण की शिकायत, कई महीनों से विभिन्न मंचों से जांच की मांग हो रही है। खेल मंत्रालय ने 3 माह पहले दो-दो कमेटियां आरोपों की जॉच के लिए गठित की गई हैं। उसके बाद भी महिला खिलाड़ी होते हुए भी, महिलाओं के पक्ष में पीटी उषा जी सामने नहीं आई। उल्टा वह कह रही हैं, कि महिला खिलाड़ियों को उनके पास आकर शिकायत करनी चाहिए थी। महिला खिलाड़ियों ने उन्हें फोन किया, उन्होंने फोन भी नहीं उठाया, यह महिला खिलाड़ियों द्वारा कहा जा रहा है। बृजभूषण शरण सिंह भाजपा के सांसद है। सरकार ने पीटी उषा को खेल कोटे से राज्यसभा का सांसद बनाया है। उनकी निष्ठा सरकार के साथ होना उनके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। पीटी उषा अब खिलाड़ी नहीं रही। खिलाड़ी से वह राजनेता बन चुकी हैं। राजनीति के गलियारों में केरल के मुख्यमंत्री की दौड़ में उनका भी नाम चर्चाओं में आने लगा है। ऐसी स्थिति में महिला खिलाड़ियों की इज्जत और खेल संघों की औकात उनकी नजर में क्या हो सकती है। यह साफ-साफ दिख रहा है।

पीटी उषा ने धधकती हुई आग में हाथ डालने का काम किया है। पिछले 40 वर्षों में खेल की दुनिया में रहते हुए उन्हें जो सम्मान मिला हुआ था। राज्यसभा का सदस्य बनने के बाद और केरल के मुख्यमंत्री बनने के सपने ने महिला खिलाड़ियों का जो अपमान किया है। उससे उनका सम्मान सारे देश और दुनिया में बना था, वह सम्मान उन्होंने अब खो दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएनबी ने 129वें स्थापना दिवस के मौके पर नया कस्टमर केयर नंबर जारी किया

मुंबई । पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने 129वें स्थापना दिवस के मौके पर ग्राहकों के लिए नया कस्टमर केयर नंबर जारी किया है। पीएनबी ने 1800-1800 और 1800-2021 नंबर को लांच किया है। पीएनबी ने कहा कि नया टोल-फ्री कस्टमर केयर नंबर जारी करने का मकसद ग्राहकों को कस्टमर केयर टीम से संपर्क करने पर एक सहज और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करना है। नए कस्टमर केयर नंबर-1800-1800 और 1800-2021 सातों दिन और चौबीसों घंटे उपलब्ध होगा। इसके अलावा ग्राहकों की सुविधा के लिए इन नंबर पर कई भाषाओं की सुविधा भी मिलेगी। ग्राहक इस नंबर का उपयोग अपने खाते की शेष राशि और पिछले लेन-देन की जानकारी प्राप्त करने, डेबिट कार्ड जारी करने/ब्लॉक करने और बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य प्रमुख सेवाओं का लाभ उठाने के लिए कर सकते हैं। पीएनबी ने कहा कि वे बैंक की कस्टमर केयर टीम के पास अपनी शिकायतें और सवाल भी दर्ज करा सकते हैं। बैंक ने मोबाइल बैंकिंग एप पीएनबी वन, पीएबीएल (पूर्व-अनुमोदित व्यवसाय ऋण), केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी), जनसमर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल केसीसी, टीएबी और वीडियो-केवाईसी, पीएनबी ईश्वर और पीएनबी मेटावर्स के माध्यम से चालू खाता खोलने जैसे ई-मार्केटप्लेस और तत्काल क्यूआर जैसे अन्य उत्पाद भी पेश किए।

आवास ऋण में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मुंबई । कुल आवास ऋण मार्च के ओ खिर में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 19.36 लाख करोड़ रुपए रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई द्वारा पिछले वर्ष मई से लगातार ब्याज दर बढ़ाने का इस पर कोई प्रतिकूल असर पड़ता नहीं दिखा है। आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2022 में आवास ऋण 12.9 प्रतिशत सालाना वृद्धि के साथ 16.84 लाख करोड़ रुपए रहा जबकि मार्च, 2021 में आवास पर कर्ज 14.92 लाख करोड़ रहा था। आरबीआई मई, 2022 के बाद से नीतिगत दर रेपो में 2.5 प्रतिशत वृद्धि कर चुका है, जिसे आवासीय संपत्ति खरीदने समेत सभी प्रकार के ऋण पर ब्याज दर बढ़ गई है। बैंक ऋण को लेकर आंकड़े जारी करते हुए केंद्रीय बैंक ने कहा कि व्यक्तिगत ऋण में मार्च 2023 में सालाना आधार पर 20.6 प्रतिशत वृद्धि हुई, जबकि पिछले वर्ष समान समय में यह 12.6 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2023 में उद्योगों को कर्ज में सालाना आधार पर 5.7 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि मार्च, 2022 में यह 7.5 प्रतिशत रही थी।

खाद्य कंपनियों के भ्रामक विज्ञापन के 32 मामले दर्ज: नियामक

नई दिल्ली । खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने कहा कि खाद्य व्यवसाय परिचालकों (एफबीओ) के भ्रामक विज्ञापनों एवं दावों में संलिप्त होने के 32 नए मामले सामने आए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एक बयान में कहा कि गलत दावों और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध न होने वाले दावों को वापस लेने के लिए लाइसेंस-प्रदाता संस्थाओं को संबंधित एफबीओ को नोटिस भेजने का निर्देश दिया गया है। भ्रामक विज्ञापन देने वाले एफबीओ में पौष्टिक तत्वों से भरे उत्पाद, रिफाइंड तेल, दाल, आटा, मोटे अनाज से बने उत्पाद और घी बनाने वाले एवं विपणनकर्ता शामिल हैं। बयान के मुताबिक एफएसएसएआई की विज्ञापन निगरानी समिति ने पहली नजर में एफबीओ के भ्रामक विज्ञापन एवं दावे से जुड़े होने के 32 मामले दर्ज किए हैं। इन पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक (विज्ञापन एवं दावा) नियमन, 2018 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप हैं। खाद्य नियामक ने आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित एफबीओ को नोटिस भेजने का निर्देश लाइसेंस प्रदाताओं को दिया है।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर बिक्री के मामले में टॉप

-इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदते वक्त जरूर रखना ये ध्यान

नई दिल्ली । पिछले कुछ सालों में कई बड़ी और पॉपुलर कंपनियों समेत नई कंपनियों में अपने नए स्कूटर लॉन्च किए हैं। इसमें ओला, एथर और एम्पियर इलेक्ट्रिक समेत कई कंपनियां है। फिलहाल ओला इलेक्ट्रिक बिक्री के मामले में टॉप पर रही है। आप भी पेट्रोल के खर्च से छुटकारा पाने के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आपको कुछ बातों को ध्यान में रखने की जरूरत है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहन फिलहाल एक नई टेक्नोलॉजी है। इन वाहनों की बारे में अभी ज्यादातर लोगों की सही जानकारी नहीं है। ऐसे में जरूरी है कि इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदते वक्त उन सभी बातों का ध्यान में रखा जाए जो बाद में किसी तरह मुसीबत न पैदा करे। यहां आपको कुछ ऐसी ही टिप्स देने जा रहे हैं। किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन का सबसे महंगा पार्ट इसकी बैटरी है। इसलिए स्कूटर खरीदने से पहले उसकी बैटरी की क्षमता के साथ-साथ क्वालिटी और ब्रांड के बारे में भी जानकारी लेना चाहिए। इसके अलावा हर कंपनी बैटरी पर वारंटी भी देती है, इसलिए पता करना चाहिए कि बैटरी की वारंटी कितने साल या किलोमीटर के लिए मिल रही है। देश में पिछले साल इलेक्ट्रिक स्कूटरों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं थीं। कई स्कूटरों में चार्जिंग के दौरान आग भी लगी थी। इसके बाद सरकार की सख्ती और कंपनियों ने सुधार करते हुए स्कूटरों में आग या विस्फोट को रोकने के लिए कई सेफ्टी फीचर्स देना शुरू कर दिए हैं। ऐसे में पता करना चाहिए कि आप जिस स्कूटर को खरीद रहे हैं उसमें पर्याप्त सेफ्टी है या नहीं। इलेक्ट्रिक वाहन का मुख्य आकर्षण उसकी रेंज हैं। क्योंकि कोई भी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने से पहले उसकी रेंज के बारे में ही पूछा जाता है।

ऐसे में जरूर है कि जिस स्कूटर को आप खरीदने वाले हैं उसकी दावा की गई रेंज और वास्तविक रेंज का पता कर लें। वास्तविक रेंज के लिए किसी पुराने कस्टमर से फीडबैक ले सकते हैं या ऑनलाइन भी फीडबैक देखने को मिल जाते हैं। रेंज के साथ-साथ सबसे बड़ा सवाल जो किसी भी इलेक्ट्रिक स्कूटर को खरीदते वक्त पूछा जाना चाहिए वह ये है कि बैटरी को फुल चार्ज करने में कितना वक्त लगता है। यह स्कूटर फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है या नहीं।

विश्व बैंक ने बांग्लादेश के लिए 1.25 बिलियन डॉलर मंजूर किए

ढाका। विश्व बैंक ने 2023 से 2027 तक बांग्लादेश के लिए तीन नई परियोजनाओं में 1.25 बिलियन डॉलर के वित्तपोषण को मंजूरी दी। बैंक ने कहा कि वह पोषण, उद्यमिता और लचीलापन के लिए कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर पार्टनर नामक कार्यक्रम के लिए 500 मिलियन डॉलर प्रदान करेगा। ऋणदाता ने एक बयान में कहा कि एक और 500 मिलियन डॉलर पहले हरित और जलवायु अनुकूल विकास ऋण के रूप में आएंगे, जो देश को हरित और जलवायु-लचीले विकास के लिए संक्रमण में मदद करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सूक्ष्म उद्यम क्षेत्र को अधिक गतिशील, कम प्रदूषणकारी, संसाधन-कुशल और जलवायु अनुकूल विकास क्षेत्र में बदलने में मदद करने के लिए माइक्रोएंटरप्राइज पर एक परियोजना के लिए 250 मिलियन डॉलर की मंजूरी दी गई है। बांग्लादेश और भूटान के लिए विश्व बैंक के कंट्री निदेशक अब्दुलाये सेक ने कहा` कि यह कंट्री पार्टनरशिप फ्रेमवर्क विश्व बैंक समूह और बांग्लादेश के बीच पांच दशकों की मजबूत साझेदारी पर आधारित है। सेक ने कहा` कि जैसा कि बांग्लादेश का लक्ष्य अधिक समृद्ध होना है, उसे उच्च-मध्यम-आय वाले देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए मजबूत संस्थानों और नीतियों की आवश्यकता होगी। यह सीपीएफ सरकार के सुधार कार्यक्रमों का समर्थन करेगा, ताकि नौकरियां प्रदान की जा सकें और समावेशन और लचीलापन का समर्थन किया जा सके। बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के लिए इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन के कंट्री मैनेजर मार्टिन होल्टमैन ने कहा` कि बांग्लादेश दुनिया की उत्कृष्ट विकास विकास कहानियों में से एक रहा है। अधिक विविध और प्रतिस्पर्धी निजी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त सुधारों से निर्यात बढ़ेगा और गुणवत्तापूर्ण नौकरियां पैदा होंगी।

सेबी ने अदाणी समूह पर लगे आरोपों की जांच के लिए और समय मांगा

- समिति के समक्ष रिपोर्ट सौंपे जाने की समयसीमा 2 मई को हो रही है खत्म

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अदाणी समूह पर लगे हिंडनवर्ग के आरोपों की जांच करने के लिए और समयसीमा बढ़ाने के लिए कहा है। इसके लिए वह सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सकता है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति के समक्ष इस मामले की स्थिति रिपोर्ट सौंपे जाने की समयसीमा 2 मई को खत्म हो रही है। एक सूत्र ने कहा कि सेबी की लीगल टीम स्थिति रिपोर्ट जमा कराने के लिए समयसीमा बढ़ाने की मांग को लेकर शीर्ष अदालत में आवेदन कर सकती है। जांच में शामिल जटिलताओं और रिपोर्ट के मूल्यांकन के लिए सेबी को कुछ और वक्त की दरकरार है। उक्त शख्स ने कहा कि बाजार नियामक इस मामले में अब तक की प्रगति से अदालत को अवगत करा सकता है और जांच पूरी करने के लिए अधिक समय की मांग के पीछे वाजिब तर्क दे सकता है। इस बारे में जानकारी के लिए सेबी को ईमेल किया गया था लेकिन खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया। सेबी से जुड़े एक अन्य सूत्र ने कहा कि अदाणी समूह की विदेश में स्थित इकाइयों के बारे में अहम जानकारी पूरी तरह से उपलब्ध नहीं है। यह जानकारी और संबंधित डेटा इस जांच में अहम साबित हो सकते हैं। इसलिए नियामक यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त समय मांग सकता है कि जांच के निष्कर्ष सटीक और शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित दायरे के अनुरूप हों। समझा जाता है कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एएम सप्रे की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय समिति इस हफ्ते की शुरुआत में सेबी मुख्यालय पहुंची थी। सूत्रों के मुतो बिक उन्हें मामले की प्रगति से अवगत कराया गया और उनकी प्रतिक्रिया भी ली गई। सेबी इस विषय पर लगातार काम कर रहा है। न्यायालय ने इस मामले में स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए केवल दो महीने का समय दिया है। यह मामला भारत और दूसरे देशों की नियामकीय इकाइयों से सूचनाएं मंगाने से जुड़ा है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि विदेशी न्यायाधिकार क्षेत्र और संरक्षकों से विदेशी फंडों के लाभकारी मालिकाना हक से संबंधित जानकारी प्राप्त करना जितना समझा गया था उससे कहीं अधिक कठिन साबित हो रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 584.24 बिलियन डॉलर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.164 बिलियन डॉलर घटकर 584.248 बिलियन डॉलर रह गया। पिछले समीक्षाधीन सप्ताह में कुल कोष 1.657 अरब डॉलर बढ़कर 586.412 अरब डॉलर हो गया था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। समीक्षाधीन अवधि में मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा संपत्ति के 2.146 बिलियन डॉलर घटकर 514.489 बिलियन डॉलर होने के कारण भंडार गिर गया। रिजर्व में गिरावट आ रही है, जैसा कि मुख्य रूप से वैश्विक विकास के कारण दबाव के बीच आरबीआई ने रुपए की रक्षा के लिए धन का उपयोग किया है।

मुंबई में अप्रैल में स्टाम्प शुल्क संग्रह दशक के उच्चतम स्तर पर: रिपोर्ट

मुंबई ।

मुंबई महानगर क्षेत्र में अप्रैल 2023 में कुल 9,867 अचल (आवासीय एवं गैर आवासीय) सम्पत्तियों के पंजीकरण कराए गए जिनसे राज्य सरकार को 840 करोड़ करोड़ रुपए का स्टाम्प शुल्क प्राप्त हुआ। यह जानकारी एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की एक रिपोर्ट में दी गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार बृहन्मुंबई महानगर क्षेत्र में प्रॉपर्टी पंजीकरण पर स्टाम्प शुल्क संग्रह का पिछले 10 वर्षों का अप्रैल महीने का रिकॉर्ड है। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल में पंजीकृत कराई गई कुल संपत्तियों में से पंजीकृत 83 प्रतिशत आवासीय और 17 प्रतिशत गैर-आवासीय संपत्तियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार राजस्व में वृद्धि स्टाम्प शुल्क दर में वृद्धि और उच्च-मूल्य वाली संपत्तियों के लेनदेन में वृद्धि के कारण हुई है। अप्रैल 2023 में दैनिक औसत संपत्ति पंजीकरण 352 इकाइयां रहा। इस मामले में यह अप्रैल 2022 के बाद पिछले दस वर्षों में दूसरा सबसे अच्छा अप्रैल रहा। हालांकि, अप्रैल 2023 में कुल पंजीकरण 9,867 था जो एक साल पहले इसी माह से 16 प्रतिशत कम है।

रिपोर्ट के अनुसार यह गिरावट मोटे तौर पर दो कारणों से दिखी जिसमें एक कारण अप्रैल 2022 की ऊंची संख्या से तुलना का प्रभाव है। दूसरे पिछले 10 में से आठ वर्षों में अप्रैल के महीने में मार्च के मुकाबले पंजीकरण में गिरावट का रुझान देखा गया है। अप्रैल 2013-23 के 10 वर्षों में मुंबई ने 800,000 संपत्तियों की बिक्री दर्ज की है। इनमें से 40 प्रतिशत सम्पत्तियों (अनुमानित 318,000 यूनिट) का पंजीकरण सितंबर 2020 से कराया गया है सरकार की ओर से स्टाम्प ड्यूटी में रियात का उत्प्रेरक तत्व पेश किया गया। उन्होंने कहा कि स्टाम्प शुल्क की दर को पुनः ऐतिहासिक छह प्रतिशत उच्च स्तर तक बढ़ाए जाने के बावजूद अब भी सम्पत्तियों के लेनदेन की रफ्तार बनी हुई है। मुंबई में अप्रैल 2022 से अप्रैल 2023 के बीच 128,427 संपत्तियों का पंजीकरण हुआ जो पिछले 10 वर्षों में पंजीकृत सभी संपत्तियों का लगभग 16 प्रतिशत है।

ईडी ने बायजूस के सीईओ के दफ्तर और आवास पर छापे मारे

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनी बायजूस के ख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रवींद्रन बायजू के बेंगलुरु स्थित कार्यालय और आवासीय परिसर पर छापे मारे तथा वहां से आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजीटल डेटा जब्त किया। ईडी ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत हाल में कुल तीन परिसरों-दो कारोबारी और एक रिहायशी परिसर पर छापे मारे गए। जांच एजेंसी ने बताया कि उसने विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजीटल डेटा जब्त किए हैं। ईडी ने बताया कि यह कार्रवाई कुछ लोगों से मिली विभिन्न शिकायतों के आधार पर की गई। च एजेंसी ने आरोप लगाया कि रवींद्रन बायजू को कई समन भेजे गए, लेकिन वह बचते रहे और कभी ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए। तलाशी के दौरान पाया गया कि रवींद्रन बायजू की कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड को 2011 से 2023 के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के तहत करीब 28,000 करोड़ रुपए मिले। एजेंसी ने कहा कि कंपनी ने भी इस अवधि के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नाम पर विभिन्न विदेशी प्राधिकारों को करीब 9,754 करोड़ रुपए भेजे।

जेट एयरवेज के मनोनीत सीईओ ने छोड़ी कंपनी

मुंबई ।

फिर से उड़ानों के संचालन करने का प्रयास कर रही विमानन कंपनी जेट एयरवेज के मनोनीत मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव कपूर ने बंद पड़ी एयरलाइन से इस्तीफा दे दिया है। कपूर अप्रैल, 2022 में सीईओ के रूप में जेट एयरवेज का हिस्सा बने थे। इसके एक साल बाद वह एक मई से कंपनी से कार्यमुक्त हो रहे हैं। कर्ज समाधान प्रक्रिया के तहत जेट एयरवेज का मालिकाना हक पाने वाले जालान-कालरॉक समूह (जेकेसी) ने कहा कि उन्होंने अपनी नोटिस अवधि पूरी कर ली है। भारी कर्ज में डूबने के बाद जेट एयरवेज ने अप्रैल 2019 में अपना परिचालन बंद कर दिया था और बाद में यह दिवाला कार्यवाही में चली गई थी। जेकेसी ने बाद में इसकी कमान संभाली लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद अब तक एयरलाइन दोबारा शुरू नहीं हो पाई है। जेकेसी ने कहा कि वह जेट एयरवेज को फिर से उड़ान भरने की स्थिति में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है और कपूर की विदाई के बाद उनकी जिम्मेदारियों को कोई योग्य उम्मीदवार न मिलने तक कार्यकारी समिति ही निभाएगी। गठजोड़ के निदेशक मंडल में शामिल अंकित जालान ने कहा कि जल्द ही जेट एयरवेज के नए सीईओ का ऐलान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एयरलाइन के दोबारा उड़ान भरने में निर्धारित समय से विलंब हुआ है लेकिन जेकेसी इसके लिए प्रतिबद्ध है।

स्विगी से खाना मंगाने पर हर आर्डर पर देने पड़ेंगे 2 रुपए शुल्क

मुंबई ।

अब स्विगी से खाना मंगाने पर आपको हर ऑर्डर पर बतौर प्लेटफॉर्म शुल्क 2 रुपए देने पड़ सकते हैं। फूड एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म स्विगी सभी यूजर्स से यह शुल्क वसूलने जा रही है चाहे ऑर्डर बड़ा हो या छोटा। फिलहाल यह शुल्क बेंगलूरु और हैदराबाद में लगाया गया है। बाद में कंपनी अन्य क्षेत्रों में भी इसका विस्तार कर सकती है। छले हफ्ते कई चरणों में शुरू किया गया यह शुल्क फिलहाल केवल फूड डिलिवरी पर ही वसूला जाएगा। स्विगी की क्विक कॉमर्स इकाई इंस्टामार्ट के जरिये मंगाए जाने वाले ऑर्डर पर यह शुल्क नहीं लग रहा है। मगर फूड डिलिवरी में यह स्विगी वन के ग्राहकों पर भी लागू होगा। स्विगी वन कंपनी की सबस्क्रिप्शन योजना है, जिसके सदस्यों से ऑर्डर पर डिलिवरी शुल्क नहीं लिया जाता। स्विगी के प्रवक्ता ने कहा` कि यह प्लेटफॉर्म शुल्क सभी फूड ऑर्डर पर लिया जाने वाला मामूली शुल्क है। इससे हमें अपना प्लेटफॉर्म चलाने और उसे बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे उपयोगकर्ताओं को ऐप का बिना दिक्कत अनुभव दिलाने के लिए सुविधाएं बेहतर करने में भी मदद मिलेगी। बेंगलूरु की इस डेकाकॉर्न ने कहा है कि उसके फूड डिलिवरी एवं क्विक कॉमर्स कारोबार को मुनाफे में आने में अनुमान से अधिक समय लग जाएगा। प्लेटफॉर्म शुल्क लगाने से कंपनी को अतिरिक्त आमदनी होगी, जिससे उसे अपने खर्च की कुछ हद तक भरपाई करने में मदद मिलेगी।

कच्चे तेल में तेजी, पटना में पेट्रोल और डीजल महंगा

ब्रेंट क्रूड 1.17 डॉलर की बढ़त के साथ 79.54 डॉलर पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शे निवार को तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.02 डॉलर बढ़कर 76.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 1.17 डॉलर की बढ़त के साथ 79.54 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। बिहार में पेट्रोल 51 पैसे और डीजल 48 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल में कीमत में क्रमशः 34 और 31 पैसे का इजाफा दिख रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 39 और डीजल 38 पैसे बढ़ गया है। तमिलनाडु. तेलंगाना व केरल में भी ईंधन के दाम बढ़े हुए दिख रहे हैं। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 69 और डीजल 68 पैसे सस्ता हो गया है। साथ ही राजस्थान में भी पेट्रोल के दाम में 20 पैसे और डीजल में 18 पैसे की गिरावट देखी जा रही है। मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक में भी तेल के दाम सस्ते हुए हैं।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.34 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.48 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.42 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सेबी ने केएसबीएल और उसके प्रवर्तक पर सात साल का प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) और उसके प्रवर्तक कोमांदुर पार्थसारथी को प्रतिभूति बाजार में हिस्सा लेने से सात साल के लिए प्रतिबंधित करने के साथ उन पर 21 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जारी आदेश में कहा कि ग्राहकों की प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर जुटाई गई राशि को केएसबीएल ने अपने समूह की फर्मों- कार्वी रियल्टी इंडिया लिमिटेड और कार्वी कैपिटल लिमिटेड में भेज दिया था। कोष को दूसरी फर्मों के पास भेजने का दोषी पाए जाने पर सेबी ने केएसबीएल और पार्थसारथी पर सात साल का प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इसके अलावा शेयर ब्रोकिंग फर्म पर 13 करोड़ रुपए और उसके प्रवर्तक एवं प्रबंध निदेशक पर आठ करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। पार्थसारथी को सेबी ने किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में 10 वर्षों तक प्रमुख प्रबंधकीय पद संभालने के अयोग्य भी घोषित कर दिया है। वहीं घटना के समय केएसबीएल के निदेशक रहे भगवान दास नारंग और ज्योति प्रसाद को दो साल के लिए पद संभालने से प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा बाजार नियामक ने केएसबीएल की तरफ से भेजे गए 1,442.95 करोड़ रुपए लौटाने का निर्देश भी कार्वी रियल्टी और कार्वी कैपिटल को दिया है। उन्हें तीन महीने के भीतर यह राशि केएसबीएल को लौटाने को कहा गया है।

पंजाब किंग्स को आज माही की चुतर कप्तानी से बचाना होगा

-पंजाब को अपनी फिरकी में फंसने की कसर नहीं छोड़ेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल में रविवार को होने वाले मैंच में स्पिनरों का दबदबा रहेगा और इसमें मेजबान टीम का पलड़ा भारी दिख रहा है। दोनों टीमों को पिछले मैच में पराजय का सामना करना पड़ा है। चेन्नई को राजस्थान रॉयल्स ने 32 रन से वहीं, पंजाब किंग्स को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने 56 रन से शिकस्त दी।

चेन्नई हालांकि अब अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी जहां स्पिनरों की तूती बोलती है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी जैसा चतुर कप्तान पंजाब को फिरकी के जाल में फंसाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। राजस्थान के खिलाफ 203 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई के बल्लेबाज दबाव में आ गए। फॉर्म में चल रहे डेवोन कोंवे भी कुछ नहीं कर सके। कोंवे के अलावा चेन्नई के लिए इस सत्र में रूतुराज गायकवाड़, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे ने रन बनाए हैं। रविंद्र जडेजा के बल्ले की खामोशी चेन्नई की चिंता का सबब है, लेकिन इस हरफनमौला ने शानदार गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण से वह कमी पूरी कर दी है।

शायद अपना आखिरी आईपीएल खेल रहे धोनी पर सभी की नजरें होंगी। पीली जर्सी में मैदान में मौजूद प्रशंसक उनकी बल्लेबाजी देखना चाहते हैं। चेन्नई इस मैच में भी जडेजा, महीष तीक्षणा और मोईन अली के रूप में तीन तरफा स्पिन आक्रमण उतार सकता है। तेज गेंदबाजी में दीपक चाहर की गैर मौजूदगी में तुषार देशपांडे ने 14 विकेट लिए हैं, हालांकि उनका इकॉनामी रेट 12.57 रहा है। युवा आकाश सिंह और मतीषा पथिराना से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

चेन्नई की टीम में ज्यादा बदलाव नहीं होते हैं, लेकिन चोट से उबर चुके इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स की वापसी हो सकती है। दूसरी ओर पंजाब की समस्या प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। कप्तान शिखर धवन की वापसी का भी कोई फायदा नहीं हुआ। धवन, प्रभसिमरन सिंह और अथर्व तायडे

को रन बनाना होगा। धवन की गैर मौजूदगी में मुंबई इंडियंस के खिलाफ कप्तानी करने वाले सैम करेन ने बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावित किया था। पिछले मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों के हाथों बुरी तरह पिटे अर्शदीप सिंह और कैगिसो रबाडा लय में लौटने की कोशिश करने वाले हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

चेन्नई सुपर किंग्स: एमएस धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, सुभ्रांशु सेनापति, मोईन अली, शिवम दूबे, राजवर्धन हैंगरगेकर, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सेंटनर, रविंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, मथीषा पथिराना, सिमरजीत सिंह, दीपक चाहर, प्रशांत सोलंकी, महेश तीक्षणा, अजिंक्य रहाणे, बेन स्टोक्स, शेख रशीद, निशांत सिंधु, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, भगत वर्मा, आकाश सिंह।

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राहुल चाहर, सैम कुर्रन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, विद्वाथ कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबाडा , भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे।

श्रीलंकाई खिलाड़ी कुसल मेंडिस ने टेस्ट मैंच में जड़ दिए 11 छक्के

-सीनियर खिलाड़ी कुमार संगाकारा का रिकॉर्ड तोड़ा

लदंन (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने बेहतरीन जीत दर्ज की। श्रीलंकाई टीम ने पहला टेस्ट एक इनिंग और 280 रनों से जीता। फिर दूसरा टेस्ट भी श्रीलंका ने पारी और 10 रन से अपने नाम किया। दूसरे टेस्ट में श्रीलंका के बल्लेबाल कुसल मेंडिस ने जबरदस्त कोहराम मचाया। कुसल मेंडिस ने 11 छक्कों के साथ अपना दोहरा शतक पूरा किया।

दूसरे टेस्ट में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी थी। आयरिश टीम ने पहले बैटिंग कर 493 रन बनाए थे। जब श्रीलंका की टीम बैटिंग करने उतरी, तब उनके शुरुआती चार बल्लेबाजों ने शतक जड़ दिया। इसमें दो दोहरे शतक शामिल थे। निशान मधुशंका ने 205 रन बनाए, वहीं करुणारत्ने ने 115 रन बनाए।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कुसल मेंडिस ने 245 रन बनाए। इसके अलावा एंजेलो मैथ्यूज ने 114 गेंदों में 100 रन बनाए। इन चारों की पारी में कुसल मेंडिस की पारी खास थी, क्योंकि उन्होंने सबसे ज्यादा 245 रन बनाकर करियर का पहला दोहरा शतक भी जड़ दिया। उन्होंने अपनी पारी में 18 चौके और 11 छक्के जड़े।

मेंडिस 11 छक्के जड़कर खास

क्लब में शामिल हो गए हैं। दरअसल, मेंडिस से पहले किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज ने टेस्ट की एक इनिंग में इतने छक्के नहीं मारे थे। टेस्ट की एक इनिंग में सबसे ज्यादा छक्के मारने का रिकॉर्ड वसीम अकरम के नाम हैं। उन्होंने जिंबाब्वे के खिलाफ 12 छक्के मारे थे। मेंडिस ने 11 छक्के मार कर अपने देश के सीनियर खिलाड़ी कुमार संगाकारा का रिकॉर्ड तोड़ा है। कुमार संगाकारा ने साल 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के लिए खेलते हुए एक टेस्ट इनिंग में 8 छक्के मारे थे।

क्या विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की कप्तानी करेंगे कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि कप्तान रोहित शर्मा अगर किन्हीं कारणों से उपलब्ध नहीं रहते हैं, तब विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जैसे बड़े मैचों में विराट कोहली को कप्तानी दी जानी चाहिए। शास्त्री ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर स्थगित हुए आखिरी टेस्ट में कप्तानी के लिए कोहली को कहना चाहिए था चूंकि रोहित उस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे।

शास्त्री ने कहा, इसतरह के बड़े मैच के लिए मैं चाहूंगा कि रोहित फिट रहें, क्योंकि वह कप्तान हैं। लेकिन अगर किन्हीं कारणों से वह नहीं खेल पाते हैं, तब भारतीय टीम को उस दिशा में सोचना चाहिए ।'' शास्त्री से पूछा गया कि रोहित के नहीं खेलने पर क्या कोहली को टीम की कप्तानी करनी चाहिए। शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए भी ऐसा ही किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा ,रोहित के चोटिल होने पर मुझे लगा

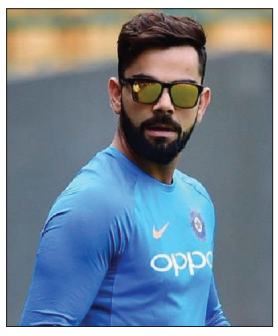

था कि विराट को कप्तान सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा, अगर मैं कोच होता यहीं सुझाव देता। मुझे यकीन है कि राहुल (द्रविड़) ने भी यहीं किया होगा। मेरी उससे बात नहीं हुई है। विराट की कप्तानी में भारत ने श्रृंखला में 2.1 की बढ़त बनाई थी।

फाफ डु प्लेसी के चोटिल होने के कारण कोहली वर्तमान में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तानी कर रहे हैं। डु प्लेसी 'इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर खेल रहे हैं। शास्त्री ने कहा, वह अपने खेल का पूरा मजा ले रहा है।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों को रोकने आज मुंबई इंडियंस को देना होगा अपना बेस्ट

-गेंदबाजी रोहित के लिए बड़ी चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। खराब दौर से जूझ रही मुंबई इंडियंस को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रविवार को राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों को रोकने के अपना बेस्ट देना होगा। राजस्थान वर्तमान में अंकतालिका में शीर्ष पर है, राजस्थान ने चेन्नई सुपर किंग्स पर पिछले मैच में एकतरफा जीत दर्ज की। पिछले तीन में से दो मैच गंवाने के बावजूद संजू सैमसन की टीम हर विभाग में बेहतरीन फॉर्म में है।

दूसरी ओर मुंबई की डैथ गेंदबाजी चिंता का विषय बनी हुई है, इसकारण मुंबई को पिछले दो मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा। पिछले सप्ताह हुए मैच में मुंबई के गेंदबाजों ने आखिरी पांच ओवरों में 96 रन देकर पंजाब को चमत्कारिक जीत दर्ज करने का मौका दिया। इसके अलावा गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी 24 गेंद में 70 रन दे डाले।

मुंबई के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि राजस्थान के पास बल्लेबाजों की फौज है। रोहित शर्मा, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। मुंबई इस समय दस टीमों में आठवें स्थान पर है। गेंदबाजी में देखना होगा कि कोहनी की चोट से जूझ रहे इंग्लैंड के जोफा आर्चर खेलने के लिए तैयार

हैं या नहीं। जासन बेहरेनडोर्फ, रिले मेरेडिथ और अर्जुन तेंदुलकर महंगे साबित हुए हैं।

दूसरी ओर राजस्थान के बल्लेबाज इस पिच पर 200 से अधिक रन बना सकते हैं। उनके पास जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल जैसे शीर्षक्रम के बल्लेबाज हैं, तब मध्यक्रम में संजू सैमसन, देवदत्त पड्डिकल, शिमरोन हेटमायेर और ध्रुव जुरेल उतरते हैं। जुरेल ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम जम्पा।

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस, तिलक वर्मा, इशान किशन (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरन ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ, नेहल वढेरा, ऋतिक शौकीन, अरशद खान, डुआन जानसेन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफा आर्चर, जेसन बेहरेनडॉर्फ, आकाश मधवाल।

धुरंधर स्पिनर हैं। दोनों ने मिलकर आठ मैचों में 23 विकेट ले चुके हैं। वहीं ट्रेंट बोल्ट प्रभावी रहे हैं और छह मैचों में नौ विकेट चटका चुके हैं।

फिट और बेहतर महसूस कर रहा हूं, मैं कोर्ट में उतरना चाहता हूं : मरे

मैड्रिड । मैड्रिड ओपन के पहले दौर में हारने के बाद ब्रिटेन के एंडी मरे ने कहा है कि वह 2017 के बाद से पहली बार फ्रेंच ओपन में खेलने उतर सकते हैं। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी को इटली के आंद्रिया ववासोरी से पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा। वह इससे पहले मोंटे कार्लो में क्ले पर पहले राउंड में एलेक्स डी मिनौर से हार गए थे। इस सत्र में क्ले कोर्ट पर अपनी पहली जीत की तलाश कर रहे ब्रिटिश खिलाड़ी रोम में उतर सकते हैं, जहां वह 2017 से नहीं खेले हैं। वह 2017 में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। यह फ्रेंच ओपन में उनकी दूसरी उपस्थिति होगी। मरे ने कहा कि वह इस वर्ष के दूसरे ग्रैंड स्लैम में खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। मरे ने कहा, मेरी टीम में कई विकल्प हैं कि मुझे क्या करना चाहिए। मैं

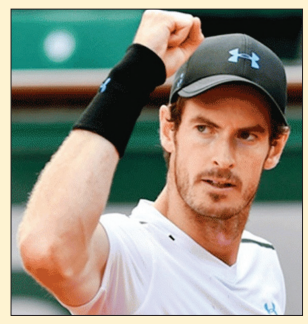

खेलना चाहता हूं क्योंकि मैं नहीं जानता कि मुझे दोबारा खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। मैं फिट और बेहतर महसूस कर रहा हूं और मैं कोर्ट में उतरना चाहता हूं। क्ले कोर्ट मेजर के अलावा मरे ग्रास कोर्ट के ग्रैंड स्लैम विम्बलडन में भी उतरना चाहता हूं जहां उन्हें काफी सफलता मिली है। उन्होंने अपने तीन ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो खिताब 2013 और 2016 में विम्बलडन में जीते हैं।

वनडे इतिहास में 500 से अधिक मैंच खेलने वाली टीमों में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

-भारत दूसरे और पाकिस्तान तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली । मौजूदा समय में लगभग पूरी दुनिया में क्रिकेट के चाहने वाले लोग मौजूद हैं। एक ऐसी ही खबर हम उन खेल प्रेमियों के लिए लेकर आए हैं, जो क्रिकेट के जबरा फैन हैं। आपकों पता है कि वनडे प्रारूप का पहला मुकाबला पांच जनवरी 1971 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बिच खेला गया। लेकिन यह बहुत कम लोग ही जानते हैं कि वनडे इतिहास में अबतक सिर्फ तीन टीमों ने 500 से अधिक मुकाबलों में जीत हासिल की है। इस खास लिस्ट में सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलिया का आता है। ऑस्ट्रेलिया ने वनडे प्रारूप में अबतक कुल 978 मुकाबले खेले हैं। इस बीच कंगारू टीम को 594 मुकाबलों में जीत मिली है, जबकि 341 मुकाबलों में शिकस्त का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा नौ मैच टाई रहे हैं, जबकि 34 मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं निकल पाया है। खास लिस्ट में दूसरा नाम भारत का आता है। भारत ने वनडे इतिहास में अबतक कुल 1029 मुकाबले खेले हैं। इस बीच ब्लू टीम को 539 मैचों में जीत मिली है, जबकि 438 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा नौ मैच टाई हुए हैं, जबकि 43 मैच का कोई परिणाम नहीं निकाला है। खास लिस्ट में पाकिस्तान का नाम तीसरे स्थान पर आता है। पाक टीम ने वनडे प्रारूप में अबतक 949 मुकाबले खेले हैं। इस बीच ग्रीन टीम को 500 मुकाबलों में जीत मिली है, जबकि 420 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा नौ मैच टाई रहे हैं, जबकि 20 मैच का कोई परिणाम नहीं निकल पाया है।

आईपीएल में कहर ढह रहे बूढ़े खिलाड़ी, टीमों ने इन्हें आधार मूल्य पर खरीदा

-रहाणे, मोहित शर्मा और पीयूष चावला ने आलोचकों का मुंह बंद किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में बेस प्राइज पर खरीदे गए अजिंक्य रहाणे (सीएसके), मोहित शर्मा (गुजरात टाइटंस), पीयूष चावला (मुंबई इंडियंस) और मयंक मारकंडे (एसआरएच) ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ अपने आलोचकों का मुंह बंद किया हैं, बल्कि यह साबित किया है कि उम्रदराज होने के बावजूद उनमें अभी काफी क्रिकेट बाकी है। सभी को आईपीएल 2023 की नीलामी में आधार मूल्य पर खरीदा गया था। सीजन की शुरुआत से पहले इन खिलाड़ियों को किसी ने मौका नहीं दिया, लेकिन इन्होंने अपने प्रदर्शन से अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। मोहित ने तीन मैचों में चार विकेट लिए हैं और पहले ही दो मौकों पर गुजरात के लिए दो प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार के साथ लौटे हैं। डेथ ओवरों में वह कप्तान हार्दिक पांड्या के लिए एक पसंदीदा गेंदबाज रहे हैं।

अजिंक्य रहाणे को चेन्नई सुपरकिंग्स ने 50 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा था मगर उन्होंने अपने लुभावने प्रदर्शन के साथ आईपीएल में सबका ध्यान आकर्षित किया है। वह अब तक पांच पारियों में 52.25 की औसत और 199.1 के स्ट्राइक रेट से 209 रन बना चुके हैं।भारतीय महिला टीम की पूर्व सदस्य मिताली राज ने कहा, रहाणे ने अपने खेल में फिर से बदलाव किया है। वह टी20 प्रारूप में फिट होना चाहते थे, इसकारण उन्होंने अपना खेल बदला। उनके शॉट्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन नजरिए में काफी बदलाव आया है। यह रहाणे बिल्कुल नया दिख रहा है।

इसी तरह, सीनियर स्पिनर पीयूष चावला ने पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए खेले गए छह मैचों में नौ विकेट लिए हैं। चावला ने अपने पहले छह मैचों में 6.9 की इकॉनमी से गेंदबाजी की। पूर्व भारतीय खिलाड़ी हरभजन सिंह का मानना है कि इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम पीयूष चावला और अमित मिश्रा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों को उनके द्वारा खेले जाने वाले हर खेल पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ने की अनुमति देता है, क्योंकि वे दोनों अनुभवी प्रचारक और टीम के लिए एक संपत्ति हैं।

सिंह ने कहा, चावला और मिश्रा जानते हैं, कि उनके पास गेंदबाजी करने के लिए केवल तीन-चार ओवर हैं और उस दौरान वे अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। दोनों के पास क्लास और अनुभव है। मयंक मारकंडे ने पांच मैचों में एसआरएच के लिए 6.7 की इकॉनमी से गेंदबाजी कर आठ विकेट चटकाए, जबकि अनकैप्ड केकेआर के स्पिनर सुयश शर्मा ने नाइट राइडर्स के लिए अब तक खेले गए 5 मैचों में सात विकेट हासिल किए। सुयश को केकेआर ने उनके बेस प्राइस 20 लाख रुपये में खरीदा था।

मैड्रिड ओपन : अलकाराज पहले दौर में उलटफेर का शिकार होने से बचे

मैड्रिड । गत चैम्पियन स्पेन के कार्लोस अलकाराज मैड्रिड ओपन के पहले दौर में फिनलैंड के 41वीं वरीयता प्राप्त एमिल रूसुवुओरी के हाथों उलटफेर का शिकार होने से बाल बाल बचे। अगले महीने 20 वर्ष के होने जा रहे अलकाराज ने यह मुकाबला 2.6, 6.4, 6.2 से जीता। अब उनका सामना ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने ग्रेगोइर बारेरे को 6.0, 5.7, 6.3 से मात दी। 5वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव ने स्टान वावरिंका को 7.5, 6.4 से हराया। महिला वर्ग में नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने आस्ट्रिया की जूलिया ग्राबेर को 6.3, 6.2 से हराया।

रायुडू पर जमकर भड़के गावस्कर, दो गेंद पर आउट होने का मामला

जयपुर । आईपीएल में अंबाती रायुडू के दो गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौटने पर पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने फटकार लगाई है। सवाई मान सिंह स्टेडियम में गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स को राजस्थान रॉयल्स से 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। जीत के लिए 203 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई को तेज शुरुआत की जरूरत थी, जो रॉयल्स की शानदार गेंदबाजी की वजह से उन्हें नहीं मिली। वहीं इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए अंबाती रायुडू भी 2 गेंदों में बिना खाता खोले पवेलियन चले गए। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने रायुडू की क्लास लगाई, बल्कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी सवाल उठाया। गावस्कर ने रायडू के आउट होने पर कमेंट्री पर कहा कि आप फील्डिंग करने नहीं आए। फिर आप केवल बल्लेबाजी करने नहीं आ सकते और गेंद को मारना शुरू नहीं कर सकते। आप ऐसा नहीं कर सकते। हमने पृथ्वी शॉ के साथ यह देखा है। वह सफलता के बिना बल्लेबाजी करने के लिए आ रहा है। कोई फील्डिंग नहीं। कोई स्कोरिंग नहीं। रायुडू दूसरी गेंद पर डक के लिए आउट हो गए। इस प्रकार गावस्कर ने इम्पैक्ट प्लेयर के नियम को भी निशाने में लिया है। मैच में 203 रनों का पीछा करने उतरी सीएसके की तरफ से नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आए रायुडू ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हुए आउट हो गए। वह एक बड़े स्लॉग स्वीप के लिए गए, लेकिन मिड विकेट पर कैच आउट हो बैठे। गौरतलब है कि रायडू ने आईपीएल 2023 में आठ मैचों में 16.60 की औसत से 83 रन बनाने में सफल रहे हैं। यह उनके 14 साल के लंबे आईपीएल करियर का सबसे कम स्कोर अभी तक है।

दूसरे टीम के ओपनर्स खेल रहे हैं पृथ्वी शॉ से अच्छा: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेट पर कड़ा अभ्यास करने वाले पृथ्वी शॉ से रिकी पोंटिंग को जल्दी ही एक अच्छी पारी की उम्मीद थी, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच ने स्वीकार किया कि दूसरी टीमों के कई सलामी बल्लेबाज उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। शॉ को छह मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद आखिरकार बाहर रखा गया और अब उनकी जल्दी वापसी मुश्किल लगती है। पोंटिंग ने कहा कि दूसरी टीमों के शीर्षक्रम के कई बल्लेबाज उससे बेहतर खेल रहे हैं। आईपीएल में साव ने छह मैचों में 47 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने कहा कि फॉर्म में होने पर पृथ्वी मैच विनर है। यही वजह है कि उसे टीम में बरकरार रखा गया था, क्योंकि अगर वह टिक गया तो हम मैच जीत सकते हैं। इस सत्र में हालांकि वह अच्छा नहीं खेल सका। छह मैचों में करीब 40 रन बनाए हैं, जिससे हमारा काम नहीं चलने वाला। उसे बाहर रखने का फैसला कठिन था, लेकिन उम्मीद है कि हमने जो टीम चुनी है, वह कल का मैच जीतेगी। उन्होंने कहा कि इस साल जब वह आया तो कुछ सप्ताह एनसीए में बिताकर आया था। उसने फिटनेस पर काफी मेहनत की है और नेट पर उसकी मेहनत को देखकर मुझे लगता था कि यह साल उसके लिये बड़ा होगा, लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं।

जेम्स फोस्टर ने कहा, हम बेखौफ खेलेंगे, आंद्रे व सुनील का किया बचाव

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक कोच जेम्स फोस्टर ने कहा कि उतार चढाव वाले सत्र के बावजूद उनकी टीम निर्भीक होकर क्रिकेट खेलती रहेगी। गौरतलब है कि केकेआर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को हराकर जीत की राह पर वापसी की है, लेकिन प्लेआफ में जगह पक्की करने के लिए उसे अभी भी बाकी छह में से कम से कम पांच मैच जीतने हैं। वहीं खराब फॉर्म से जूझ रहे आंद्रे रसेल और सुनील नारायण का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि रसेल और नारायण सुपरस्टार हैं। नारायण लंबे समय से टीम का स्टार रहा है। वह काफी मेहनत कर रहा है। कई बार विकेट मिलते हैं लेकिन कई बार आप विरोधी टीम पर दबाव बनाने में भी कामयाब रहते हैं। जेम्स फोस्टर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच से पूर्व कहा कि बल्लेबाजों को बेखौफ खेलने के लिये कहा गया है। हमने बैठक में यही बात की है। कई बार सब कुछ रणनीति के अनुकूल नहीं रहता लेकिन इससे दबाव कम हो जाता है। इस टीम पर दबाव नहीं है।

अपराधी बनकर नहीं दूंगा कुश्ती महासंघ से इस्तीफा, यह षड्यंत्रकारियों का धरना है : बृजभूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोंडा -धरने पर बैठे पहलवानों के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने शनिवार को कहा कि इस्तीफा देना उनके लिए कोई बहुत बड़ी बात नहीं है, किन्तु वह अपराधी बनकर इस्तीफा नहीं देंगे। महिला पहलवानों द्वारा बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में दिल्?ली पुलिस ने शुक्रवार को दो प्राथमिकी दर्ज कीं।

विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में बृजभूषण ने कहा , ''मैं पूरी तरह से निर्दोष हूं । मुझे सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली पुलिस पर पूरा भरोसा है। मैं हर तरह की जांच का सामना करने को तैयार हूं।'

उन्होंने कहा, 'भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना मेरे लिए कोई बहुत बड़ी चीज नहीं है, किन्तु मैं अपराधी बनकर इस्तीफा नहीं दूंगा। मैं अपराधी नहीं हूं। इस्तीफा देने का मतलब है कि मैंने इनके आरोपों को स्वीकार कर लिया है।' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में धरने पर बैठे पहलवानों से शनिवार को मुलाकात कर उनके प्रति समर्थन जताया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बाहुबली एवं माफिया के सामने नतमस्तक हो गई है। इस पर उन्होंने कहा , 'आज दिखाई पड़ गया कि इस पूरे विवाद के पीछे किसका हाथ है। मैं शुरू से कह रहा हूं कि इसमें एक उद्योगपति और कांग्रेस का हाथ है। इन्हें मुझसे कष्ट है।'

यह षड्यंत्रकारियों का धरना है

उन्होंने सवाल किया , 'जब मेरे खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो गई तो अब पहलवान क्यों धरने पर बैठे हैं? वे लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्रालय के खिलाफ क्यों बोल रहे हैं? यह खिलाड़ियों का धरना नहीं, षड्यंत्रकारियों का धरना है। हम बहाना हैं, निशाना हमारे ऊपर कहीं है।' बृजभूषण ने कहा , 'महिला पहलवानों की सभी मांगें मान ली गई हैं। मेरे खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है, फिर भी वे धरने पर बैठे हैं। क्यों?' उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल पूरा हो चुका है और महासंघ के अध्यक्ष के चुनाव के साथ अपने आप ही इस्तीफा हो जाएगा। नए चुनाव तक वह सिर्फ कार्यवाहक की भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने सवाल दागा कि यदि वह पिछले 12 साल से खिलाड़ियों का यौन शोषण कर रहे था, तो वे आज तक कभी पुलिस स्टेशन, फेडरेशन अथवा सरकार के पास शिकायत लेकर क्यों नहीं गए? सीधा जंतर-मंतर पर धरना देने क्यों पहुंच गए। पहलवानों के धरना प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित और साजिश

बताते हुए भाजपा सांसद ने दावा किया कि उन्होंने जांच समिति को एक ऑडियो सौंपा है, जिसमें एक शख्स किसी से कह रहा है कि एक लड़की की व्यवस्था कर दो, उसे (बृजभूषण को) फंसाने के लिए। बृजभूषण ने दावा किया कि पूरा हरियाणा और यूपी का अखाड़ा उनके साथ है और सिर्फ एक परिवार का अखाड़ा ही उनके खिलाफ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

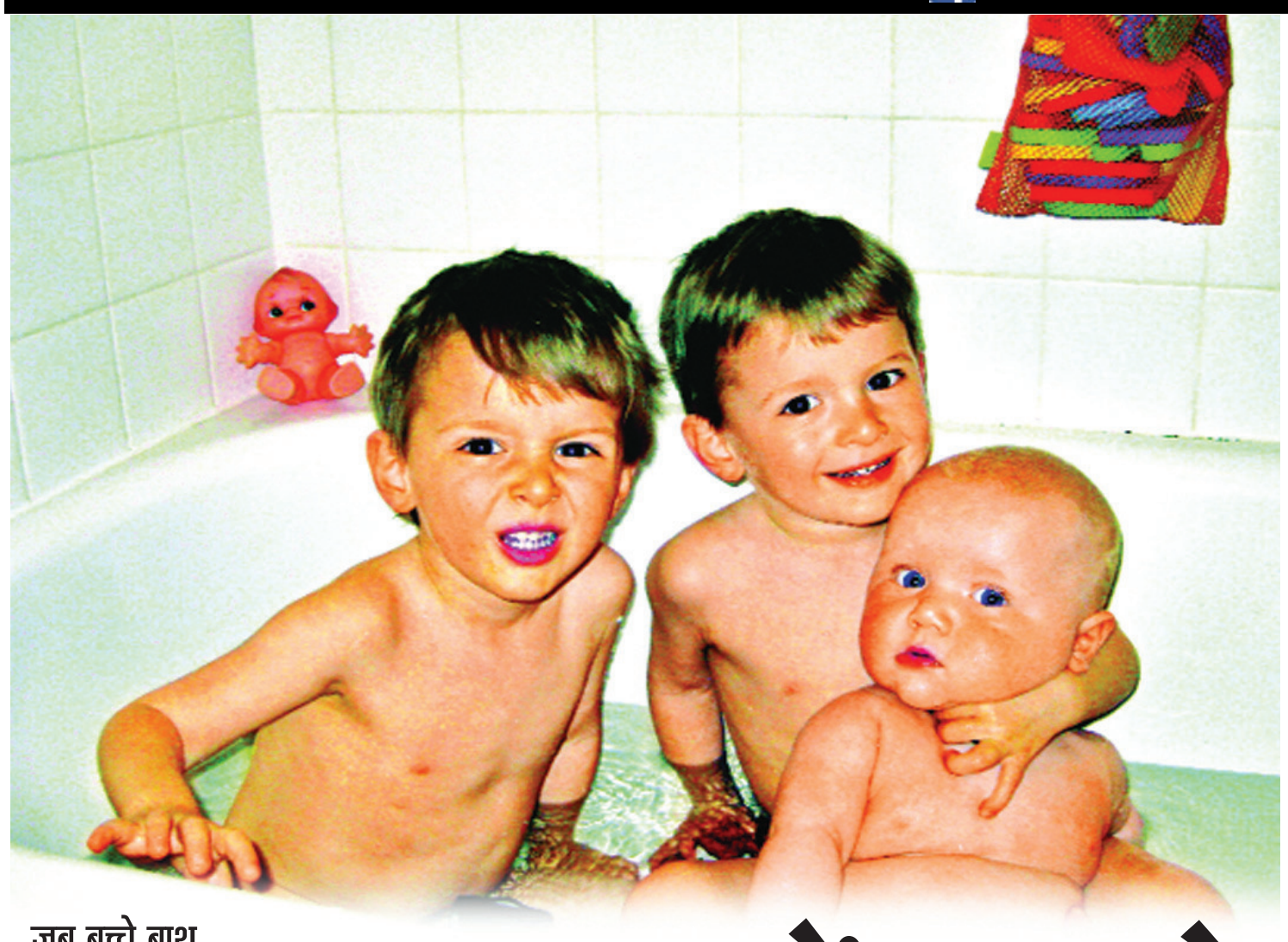

बाथ टब में नहाओ

जब बच्चे बाथ टब में नहाते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। आप भी अपने बच्चों को बाथ टब में नहलाइये फिर देखिए कितना आनंद आता है।

बच्चों को अगर पानी मिल जाए तो बात ही क्या है। ऐसा कोई बच्चा नहीं होता जिसे पानी में छई-छप-छई करना अच्छा नहीं लगता। समय के अभाव में हम सभी को रोज-रोज बच्चों को वॉटर पार्क ले जाने का भी समय नहीं निकलता। ऐसे में बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर में अगर पानी के बड़े-बड़े टब मिल जाएं तो क्या कहने। इससे खेलने का खेलना भी हो जाता है और बाहर भी नहीं निकलना पड़ता। यह बाथिंग टब आपको कहीं भी मिल जाएंगे। इन दिनों बच्चों के रंगीन बाथिंग टब को आप सड़क किनारे कहीं भी देख सकते हैं। इन रंगीन टब को देखते ही बच्चों के चेहरे खिल जाते हैं।

बाथ टब के फायदे

बाथ टब में नहाने से एक तो बच्चों को पानी में छपा-छई करने का मौका मिलता है वहीं दूसरी ओर अपने फेवरेट कार्टून केरेक्टर के साथ खेलने का भी। एक तरह से यह मिनी स्विमिंग पुल होता है। बाथ टब में नहाकर छोटे बच्चे घर में ही वॉटरपार्क का लुत्फ उठा सकते हैं। बाजार में आपको बाथ टब 400 रुपए के शुरुआती दाम से 1500 रुपए तक की कीमत में आसानी से मिल जाएगा। घर में यह टब होने से आपके बच्चे मनभर कर पानी खेल सकते हैं। इन टब को आप अपने घर के स्पेस के अनुसार खरीद सकते हैं। साथ ही फोल्डेबल होने पर इन्हें आप उठा कर रख भी सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियां हो सकती हैं।

चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का गौरव प्राप्त है।

दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना ज्यादा।

नील नदी की लंबाई (650 किलोमीटर) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 किलोमीटर) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एमडीएच का पूरा नाम महाशियां दी हट्टी है।

संयुक्त अरब अमीरात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।

इन बातों का रखो ध्यान

तुम किसी के भी घर जाते हो तो सबसे पहले वहां के लोग तुम्हारी एक्टिविटीज से तुम्हारे बेसिक मैनर्स को समझ जाते हैं। तभी तो कई लोगों को तुमने कहते सुना होगा कि वह बच्चा कितना समझदार है, उसके पेरेंट्स ने उसे कितने अच्छे मैनर्स सिखाएं हैं। इसलिए यह जरूरी है कि तुम्हें भी सभी बेसिक मैनर्स आएं, जिससे सब तुम्हारी और तुम्हारे मम्मी-पापा की तारीफ करें। तो कहीं भी जाओ, इन बातों का ध्यान रखो-

अगर किसी के कमरे का दरवाजा बंद है तो पहले दरवाजे पर नॉक करो और जवाब आने का इंतजार करो, फिर ही कमरे में घुसो।

अगर तुम्हें किसी से कुछ लेना है तो पहले सामने वाले से पूछो। खुद से उस वस्तु को मत उठा लो। हां, उसे वह चीज वापस करने का वादा भी करो। इस बात का भी ध्यान रखना कि टाइम पर चीज को वापस कर दो।

किसी की परमिशन के बिना उसकी पर्सनल चीजों को मत छेड़ो या खोलकर देखो। ये बहुत ही बुरी आदत मानी जाती है।

किसी की डायरी या खत मत पढ़ो।

घर की बातों को घर में ही रखो। अगर मम्मी-पापा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है या घर का बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है या आपका भाई पढ़ने में अच्छा नहीं है, इस तरह की बातों को दूसरे के सामने मत बोलो।

सबसे जरूरी है कि अपना काम खुद ही करो। बाथरूम, टॉयलेट, किचन और टीवी रूम से निकलने से पहले उसे पहले की तरह साफ करके निकलो। पूरे घर में जूठे बर्तन मत फैलाओ। अपनी भीगी तौलिया खुद धूप में डालो।

पब्लिक प्लेस पर किसी का मजाक मत उड़ाओ। इससे सामने वाले को बहुत दुख होता है। मजाक उड़ाने से पहले ये जरूर सोचो कि अगर कोई तुम्हारा मजाक बनाएगा तो तुम्हें कैसा लगेगा।

तेनाली राम के किस्से

जासूस सेवक

राजा कृष्णदेव की सेना ने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। उनके वर्चस्व से घबराकर बीजापुर के सुल्तान ने अपने एक सेवक को जासूस बनाकर विजयनगर भेजा। उस जासूस की योजना थी कि राजमहल में ही राजा की हत्या कर दी जाए। इसके लिए ब्राह्मण का भेष धरा। राजमहल में दरबार लगा था। तिलकधारी ब्राह्मण धारा-प्रवाह संस्कृत के श्लोकों से सभी को प्रभावित कर रहा था। कृष्णदेव तो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्राह्मण को अपने महल में ही ठहरने का स्थान दे दिया। तेनाली को यह सब उचित नहीं लगा। वे उस समय तो कुछ नहीं बोला मगर उस ब्राह्मण पर नजर रखने लगा। कुछ ही दिनों में तेनाली को ऐसा संकेत मिल गया कि वह ब्राह्मण राजा के विषय में व्यक्तिगत जानकारियां ले रहा है। तेनाली ने राजा को सचेत किया। एक बार ब्राह्मण की अनुपस्थिति में उसके कमरे की सफाई करते समय तेनाली भी वहां मौजूद था। उसने देखा और पूरा विश्वास हो गया कि यह ब्राह्मण के भेष में कोई जासूस है। तेनाली ने राजा से कहा-महाराज! ब्राह्मण, ब्राह्मण नहीं है।' राजा ने पूछा-'क्या मतलब?' 'यही कि महाराज यह कोई अन्य धर्म का मानने वाला है। यह आपसे छल कर रहा है,' तेनाली बोला। 'यदि तुम यह सिद्ध कर दो तो तुम्हें पुरस्कार मिलेगा', राजा ने कहा। उसी दिन तेनाली और राजा ने रात के समय उस ब्राह्मण के कमरे में प्रवेश किया। एक सैनिक भी उनके साथ था जिसके हाथ में गरम पानी की बाल्टी थी। तेनाली के आदेश पर सैनिक ने गरम पानी की बाल्टी को ब्राह्मण पर उड़ेल दिया। वह लगा उछलने और 'अल्लाह-अल्लाह' चिल्लाने लगा। राजा समझ गए यह बीजापुर के सुल्तान का जासूस है जो भेष बदलकर यहां छिपा हुआ था। राजा को देखते ही जासूस ने उन पर वार किया जिसे राजा के सैनिक ने अपनी तलवार पर रोक लिया। राजा ने एक ही वार से जासूस का वध कर दिया। अगली प्रातः पूरे नगर में चर्चा थी कि तेनाली के कारण राजा की जान बच गयी।

मिक्की और डोनाल्ड सिखाएंगे अंग्रेजी

डिजनी के फेमस कार्टून कैरेक्टर मिक्की माउस और डोनाल्ड डक अब सिर्फ बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें शिक्षा भी देंगे। मिक्की माउस और डोनाल्ड डक को चीन के बच्चों को अंग्रेजी सीखाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के जरिए हर साल तकरीबन डेढ़ लाख बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजनी पब्लिशिंग वर्ल्डवाइड के रसेल हैम्पटन ने बताया कि कार्टून कैरेक्टर से अंग्रेजी सिखाने का फंडा काफी लाभदायक साबित हो रहा है। दुनिया भर में चीन में सबसे अधिक अंग्रेजी शिक्षण के प्राइवेट सेक्टर खुल रहे हैं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर चीन के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने का प्रोजक्ट शुरू किया गया है। अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चों को इसका ज्ञान देना पैरेंट्स के लिए जरूरी हो गया। आमतौर पर अंग्रेजी के ट्यूशन पर काफी खर्चा आता है और इसके साथ ही बच्चों को घर से बाहर भी जाना पड़ता है, लेकिन अब कार्टून कैरेक्टर के जरिए बच्चे बिना किसी खर्च के घर बैठे अंग्रेजी सीख पाएंगे। इससे बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को काफी सहूलियत होगी।

कृत्रिम पत्ती बनाएगी बिजली

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के दल ने सिलिकॉन, इलेक्ट्रॉनिक्स, निकल और कोबाल्ट जैसे विभिन्न उत्प्रेरकों की सहायता से एक ऐसी कृत्रिम पत्ती का निर्माण किया है, जो सूरज की रोशनी और पानी से ऊर्जा पैदा करती है।

दरअसल, यह पत्ती सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करके पानी को उसके घटकों हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ देती है, जिनका इस्तेमाल बिजली पैदा करने में किया जा सकता है। इन पतियों की सहायता से भारत जैसे विकासशील देश में एक घर की प्राथमिकता जरूरत भर की बिजली पैदा की जा सकती है।

जरूरत की बिजली

इस दल का लक्ष्य अब कम से कम कीमत वाला एक ऐसा उपकरण बनाने का है, जिसे कोई भी अपने घर की छत पर या आसपास लगाकर प्राथमिक जरूरत की बिजली प्राप्त कर सके। जापान में सुनामी आने के बाद जिस तरह परमाणु विकिरण फैला, उससे सभी देशों में परमाणु संयंत्रों के खतरे को लेकर चीख पुकार मची हुई है और जर्मनी जैसे देशों ने तो परमाणु संयंत्रों की स्थापना को लेकर अपने कान पकड़ लिए है। इस पृष्ठभूमि में नई खोज एक वरदान की तरह सामने आई है।

खतरा भी ज्यादा

कोयले के भंडारों के कम होने और जल विद्युत के उत्पादन से होने वाले नुकसान, बल्कि पर्यावरणीय खतरे को ध्यान में रखते हुए दुनिया परमाणु ऊर्जा के विकल्प की ओर गई है, जो अपेक्षा स्वच्छ मानी जाती है, लेकिन इसका खतरा सभी तरह से ऊर्जा के मुकाबले कहीं ज्यादा है। ऐसे में सौर ऊर्जा ओर पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों पर दुनिया भर में ध्यान दिया जा रहा है।

बदल जाएगी किस्मत

कृत्रिम पत्ती के जरिए इस तरह वैकल्पिक ऊर्जा तैयार करने से दुनिया की किस्मत बदल जाएगी और तेज गति से आर्थिक विकास कर रहे भारत और चीन को तो सुदूर बसे अपने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से खास फायदा होगा। तब गांव-कस्बे के हर घर का अपना पावर-हाउस होगा। आकाश में बिजली के तड़कने से ही इतनी बिजली पैदा होती है कि दुनिया को उसका संरक्षण करना आ जाए तो वर्षों तक बिजली की कमी नहीं रहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षेप खबर

पाकिस्तान में इलाही के घर छापा, देर रात गिरफ्तार करने पहुंचे अधिकारी

लाहौर। पाकिस्तान में भ्रष्टाचार निरोधक और पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही को गिरफ्तार करने के लिए उनके लाहौर स्थित आवास पर छापा मारा।छापा मारने वाली टीम ने इस दौरान श्री इलाही के गुलबर्ग निवास के मुख्य द्वार को तोड़ने के लिए एक बख्तरबंद वाहन का इस्तेमाल किया और घर से 12 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें ज्यादातर उनके कर्मचारी थे। महिला पुलिस अधिकारियों ने कुछ महिलाओं को हिरासत में भी लिया।पुलिस अधिकारियों ने श्री इलाही के घर की अच्छी तरह से तलाशी ली, लेकिन श्री इलाही का पता नहीं चला। उन्होंने पीएमएल-क्यू के अध्यक्ष चौधरी शुजात हुसैन के बगल के आवास में जबरन घुसने की भी कोशिश की, लेकिन श्री शुजात के पुत्रों ने उनका विरोध किया।तलाशी अभियान शनिवार को तड़के 02 बजे तक जारी रहा और पुलिस श्री इलाही को पकड़ने में विफल रही। भ्रष्टाचार रोधी प्रतिष्ठान ने कहा कि उसकी गुजरांवाला टीम श्री इलाही को भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार करने के लिए उनके घर पहुंची थी।उधर, श्री इलाही की कानूनी टीम ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी पूर्व जमानत 06 मई तक के लिए एक अदालत से पहले ही ले ली गई थी। एसीई टीम ने जोर देकर कहा कि एक नए मामले में श्री इलाही की आवश्यकता है और वे पीटीआई नेता को गिरफ्तार किए बिना नहीं छोड़ेंगे।श्री इलाही के वकीलों ने एसीई अधिकारियों को जमानत के बारे में आश्वासन दिया।उधर, श्री इलाही के पुत्र मूनिस इलाही ने ट्वीट कर कहा, ÷पंजाब पुलिस अभी मेरे पिता को उस मामले में गिरफ्तार करने के लिए हमारे आवास पर है, जिसके लिए उन्हें आज जमानत मिली है। उनकी जमानत की सुनवाई को सभी मीडिया आउटलेट्स द्वारा कवर किया गया था। ÷उन्होंने कहा, ÷पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बिल्कुल सही हैं, पाकिस्तान में कानून का शासन समाप्त हो गया है।पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने शनिवार आधी रात को ट्वीट किया, श्री परवेज इलाही के घर पर अवैध छापेमारी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें मौजूद महिलाओं और परिवार के सदस्यों का कोई सम्मान नहीं है।हम अपनी आंखों के सामने पाकिस्तान में लोकतंत्र को खत्म होता देख रहे हैं। संविधान, उच्चतम न्यायालय के फैसले या लोगों के मौलिक अधिकारों का कोई सम्मान नहीं है - केवल जंगल राज है।

फिलीपींस में दो जहाजों की टक्कर में एक की मौत, तीन लापता

मनीला। फिलीपीन के कोरिगिडोर द्वीप के पास दो विदेशी जहाजों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और तीन लापता हो गये।फिसीपींस के तट-रक्षक (पीसीजी) ने कहा कि जहाजों में से एक सिएरा लियोन-ध्वज एमवी होंग शुक्रवार को दुर्घटना के कारण पलट गया। इस जहाज पर 20 चालक दल के सदस्य और 189 अन्यच लोग सवार थे। पीसीजी के मुताबिक चालक दल के 20 सदस्यों में से 16 को बचा लिया गया है, जबकि एक सदस्य का शव शनिवार को मिला। लापता चालक दल के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है।पीसीजी ने कहा कि मार्शल आइलैंड्स ध्वज वाहक जहाज एमटी पेटिट सोयूर (एक रासायनिक और तेल उत्पाद टैंकर) के सभी 21 चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। पीसीजी के अनुसार एमवी होंग हाई ने जाम्बलेस प्रांत में अपना आखिरी पोर्ट कॉल किया, जबकि एमवी पेटिट सोयूर का आखिरी पोर्ट कॉल बाटान प्रांत में था। ये दोनों प्रांत मनीला के उत्तर-पश्चिम में हैं।

इक्वाडोर में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हुई

क्विटो। मध्य इक्वाडोर में पिछले महीने के अंत में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है।इक्वाडोर के अटॉर्नी नजरल (एफजीई) के कार्यालय ने यह जानकारी दी है। एफजीई ने शुक्रवार को ट्विटर पर कहा, ÷फिलहाल मरने वालों की संख्या 50 है।गौरतलब है कि अप्रैल की शुरुआत में, भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 27 थी, जबकि घायलों की संख्या 37 थी।इक्वाडोर के चिम्बोराज़ो प्रांत के अलौसी शहर में 26 मार्च को भारी भूस्खलन हुआ था। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 30 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।इक्वाडोर के जोखिम प्रबंधन के राष्ट्रीय सचिवालय के अनुसार भूस्खलन से लगभग 500 स्थानीय निवासी प्रभावित हुए हैं। लगभग 60 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं, जबकि 160 से अधिक क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की जीवनी का न्यूयॉर्क में विमोचन

न्यूयॉर्क। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की जीवनी का अमेरिका के न्यूयॉर्क में विमोचन किया गया है।वर्तमान में भारत की जी20 अध्यक्षता के मुख्य समन्वयक श्रृंगला (61) ने पिछले सप्ताह इस संबंध में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी और प्रवासी समुदाय के प्रमुख सदस्यों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान उनकी जीवनी 'नॉट एन एक्सीडेंटल राइज' का विमोचन किया गया।भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) की सहायक कंपनी 'जयपुर फुट यूएसए' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत केनेथ जस्टर और न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत रणधीर जायसवाल विशेष अतिथि थे।'नॉट एन एक्सीडेंटल राइज' को सिक्किम विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. दीपमाला रोका ने लिखा है। इससे पहले भारत में इसका विमोचन इस महीने की शुरुआत में दार्जिलिंग में हुआ था।श्रृंगला की यह जीवनी ''दृढ़ता, दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, कौशल और क्षमता के बल पर भारतीय विदेश सेवा में उनके सर्वोच्च पद तक पहुंचने'' का वर्णन करती है।यह जीवनी बताती है, उनका जीवन और कार्य उनकी विरासत, उनकी संस्कृति और उनके मूल्यों में दृढ़ता से निहित हैं।श्रृंगला ने कहा, ÷यह पुस्तक न केवल मेरे करियर, बल्कि मेरे अब तक के पूरे जीवन की अच्छी तरह से शोध करके दी गई स्पष्ट जानकारी पेश करती है।श्रृंगला ने याद किया कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के देश को अपनी चपेट में लेने से ठीक पहले जब वह अप्रैल 2021 में सिक्किम गए थे तब वह पहली बार रोका से मिले थे। श्रृंगला ने कहा कि उस समय सिक्किम विश्वविद्यालय ने एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत और अमेरिका के बीच लोगों के संबंधों के बारे में भी बताती है।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने सूडानी युद्धरत गुटों से युद्धविराम का सम्मान करने का किया आह्वान

अदीस अबाबा। अफ्रीकी संघ, विकास पर अंतर सरकारी प्राधिकरण और संयुक्त राष्ट्र को एक साथ लाने वाले त्रिपक्षीय तंत्र ने सूडान में युद्धविराम को पूर्ण रूप से लागू करने का आह्वान किया है। त्रिपक्षीय तंत्र के सदस्यों ने शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह आह्वान किया।बयान में कहा गया है, त्रिपक्षीय तंत्र और क्वाड के सदस्य सूडानी सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा मौजूदा संघर्षविराम को अतिरिक्त 72 घंटों के लिए बढ़ाने और इसके पूर्ण कार्यान्वयन की मांग करने की घोषणा का स्वागत करते हैं।समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने शत्रुता को खत्म करने और बेरोकटोक मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बातचीत में संलग्न होने के लिए दो सूडानी युद्धरत गुटों की तत्परता का भी स्वागत किया।बयान में कहा गया है कि शत्रुता की स्थायी समाप्ति के लिए एक प्रक्रिया स्थापित करने के लिए कूटनीति का यह प्रारंभिक चरण एक डी-एस्केलेशन योजना के विकास पर कार्रवाई में योगदान देगा, जैसा कि 20 अप्रैल की अफ्रीकी संघ की विज्ञप्ति में बताया गया है। अप्रैल के मध्य से, सूडान सेना और आरएसएफ के बीच सैन्य संघर्ष चल रहा है।सूडानी सेना के कमांडर अब्देल फतह अल-बुरहान द्वारा अक्टूबर 2021 में आपातकाल की स्थिति घोषित करने और संप्रभु परिषद के साथ-साथ सरकार को भंग करने के बाद से देश एक राजनीतिक संकट से जूझ रहा है।

अफगान पुलिस ने खोस्त प्रांत में लुटेरों के एक गिरोह का किया भंडाफोड़

खोस्त (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान पुलिस ने पूर्वी खोस्त प्रांत में लुटेरों और चोरों के आठ सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।राज्य द्वारा संचालित बख्तर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि गिरफ्तार गिरोह के सदस्य सशस्त्र डकैती, अपहरण, चोरी और खोस्त प्रांत और इसके आसपास के क्षेत्र में कानून व्यवस्था की समस्या पैदा करने सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं।

अपने पक्के समर्थकों के साथ ट्रम्प का रिपब्लिकन पार्टी पर मजबूत पकड़

न्यूयॉर्क।एजेंसी

डोनाल्ड ट्रम्प ने 2016 के अपने सफल चुनाव अभियान के दौरान दावा किया, मैं पांचवें एवेन्यू के बीच में खड़ा हो सकता हूं और किसी को गोली मार सकता हूं, और मैं किसी भी मतदाता को नहीं खोऊंगा।

यह दावा उन सभी लोगों के लिए नहीं हो सकता है, जिन्होंने उस वर्ष उन्हें वोट दिया था, क्योंकि 2020 में कई दलबदल हो गए थे। लेकिन यह उनके समर्थकों के मूल आधार के बारे में सच है। दो महाभियोगों से अविचलित ट्रम्प के पास रिपब्लिकन पार्टी के 51 प्रतिशत समर्थकों का साथ है, जिसके आधार पर पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ है। समर्थकों के लिए ट्रम्प उनके हीरों हैं, जो अभिजात्य वर्ग के निशाने पर हैं।

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसांटिस के साथ, अपने चैलेंजर्स या संभावित चैलेंजर्स के मुकाबले ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रम्प पार्टी का उम्मीदवार बनने की दिशा में पहला कदम बढ़ा चुके हैं। आरसीपी पोल एग्रीगेशन में ट्रम्प आगे चल रहे हैं। यहीं पर दोनों के लिए अपनी बढ़त बढ़ाने की चुनौती है। 55 प्रतिशत की प्रतिकूलता रेटिंग वाले 70 वर्षीय ट्रम्प और 52.6 प्रतिशत के साथ 80 वर्षीय बाइडेन।

आम धारणा के विपरीत कि ट्रम्प ने अपने वोटों में 11 मिलियन से अधिक की वृद्धि की। 2016 में 62.98 मिलियन से 2020 में 74.22 मिलियन हो गए, लेकिन बाइडेन ने 81.28 मिलियन वोट प्राप्त करके उन्हें पीछे छोड़ दिया। अमेरिकी राजनीति में बड़ा विभाजन कॉलेज-शिक्षित अभिजात्य वर्ग और बाकी के बीच है। दोनों समूह एक एक-दूसरे के प्रति तिरस्कार करते हैं। यहां तक कि अगर यह आर्थिक स्थिति में प्रकट होता है, तो उनके मतभेद सामाजिक मुद्दों और उनकी असुरक्षाओं पर आधारित होते हैं।

थिंक टैंक प्यू रिसर्च के मुताबिक, बाइडेन के मतदाताओं में से 61 प्रतिशत कॉलेज स्नातक थे, जबकि ट्रम्प को इस समूह से केवल 37 प्रतिशत वोट मिले। कोर ट्रम्प समर्थक मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के साथ अपने नेता के साथ खड़े हैं। मैनहट्टन इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार 27.3 प्रतिशत कॉलेज-शिक्षित गोरे और 32.8 प्रतिशत गैर-गोरे, जो कॉलेज स्नातक नहीं हैं, डेमाक्रेटिक पार्टी के समर्थक हैं।

उनके लिए ट्रांसजेंडर महिला होने का दावा करने वाले पुरुषों को स्कूलों में लड़कियों के बाथरूम का उपयोग करने या लड़कियों की खेल टीमों में प्रतिस्पर्धा करने, प्राथमिक स्कूल के बच्चों को ट्रांससेक्सुअलिटी के बारे में पढ़ाने या नाबालिगों के लिए सेक्स चेंज उपचार की अनुमति देने जैसे मुद्दे हैं, जिन्हें रिपब्लिकन भुनाने की उम्मीद करते हैं।

और फिर अन्य शिक्षा के मुद्दे, जैसे इतिहास और नागरिक शास्त्र का शिक्षण, जो अमेरिका को पूरी तरह से नस्लवादी राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करता है, और गणित और विज्ञान के पाठों में नस्ल समानता की अवधारणाओं को पेश करता है।

भले ही ट्रम्प के अधिकांश समर्थक श्वेत हैं, डेमोक्रेट्स के लिए चिंता की बात यह है कि उन्होंने लैटिनो के बीच बढ़त बना ली है।प्यू के अनुसार, 2016 और 2020 के बीच, ट्रम्प ने लातीनी मतदाताओं के बीच अपना समर्थन लगभग 10 प्रतिशत से 28 प्रतिशत तक बढ़ा दिया।ट्रम्प के लिए एक स्थिर, प्रमुख समूह व्हाइट इवेंजेलिकल प्रोटेस्टेंट ईसाई हैं।प्यू ने बताया कि उनमें से 84 प्रतिशत ने 2020 में उनका समर्थन किया, यह पूरी तरह से उनके सामाजिक एजेंडे पर आधारित था, खासकर गर्भपात पर।2024 के चुनाव का नतीजा यह तय करेगा कि कौन सी पार्टी अधिक प्रभावी ढंग से लामबंदी करती है और क्या डेमोक्रेट अपने 15.85 मिलियन समर्थकों को बरकरार रख सकते हैं।उनमें से कई उपनगरीय मतदाता थे, विशेषकर महिलाएं और युवा।ऐसा लगता है कि 2016 में कुछ प्रमुख राज्यव्यापी दौड़ में डेमोक्रेट के लिए काम करने वाला एक सामाजिक मुद्दा गर्भपात का मुद्दा है, जहां ट्रम्प और उनके कोर इसके खिलाफ दृढ़ता से हैं, जबकि डेमोक्रेट गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करते हैं।सुप्रीम कोर्ट के पहले के एक फैसले को पलटने और गर्भपात को राज्य का मामला बनाने के फैसले के बाद और अब इसे रिपब्लिकन के प्रभुत्व वाले 14 राज्यों में प्रतिबंधित कर दिया गया है, लेकिन पिछले साल प्यू रिसर्च के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 61 प्रतिशत अमेरिकी गर्भपात पर प्रतिबंध के खिलाफ हैं, जबकि केवल 37 प्रतिशत प्रतिबंध चाहते हैं।

2020 में जीतने का दावा करने में ट्रम्प की हरकतों के अलावा, जनवरी 2021 में कांग्रेस पर उनके समर्थकों का हमला, कानूनी उलझनें और उनकी बेबुनियाद बयानबाजी, गर्भपात का मुद्दा कई रिपब्लिकन के लिए बेचैनी पैदा करता है।2022 के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप के चुने हुए प्रतिनिधियों में से कई हार गए, जिसकी कीमत रिपब्लिकन को सीनेट पर नियंत्रण के रूप में चुकानी पड़ी।कई रिपब्लिकन अरबपति मेगा-दाताओं ने कहा है कि वे ट्रम्प के अभियान को वित्तीय मदद नहीं देंगे।रिपब्लिकन नामांकन के लिए प्रमुख चुनौती देने वाले डीसैंटिस वैचारिक रूप से ट्रम्प के करीब हैं।फिर भी, उनकी विचारधारा कुछ नरमपंथियों को नापसंद कर सकती है।निक्की हेली, अमेरिकी कैबिनेट में सेवा करने वाली पहली भारतीय अमेरिकी और दक्षिण कैरोलिना के पूर्व गवर्नर, और अर्कांसस के पूर्व गवर्नर आसा हचिंसन, जिन्होंने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है।

उत्तर कोरिया ने बाइडन और अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच हुए समझौते की निंदा की

वाशिंगटन। एजेंसी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा है कि उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों से निपटने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच हुए नए समझौते के जवाब में उनका देश अपनी सैन्य शक्ति का और अधिक प्रदर्शन करेगा।

जोंग ने कहा कि यह समझौता उत्तर कोरिया के प्रति इन दोनों देशों की ''अत्यधिक'' शत्रुता को दर्शाता है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पर निजी हमले भी किए।

बाइडन और उनके दक्षिण कोरियाई समकक्ष यून सुक येओल ने उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे का मुकाबला करने के लिए बुधवार को एक नयी योजना का अनावरण किया था।

इस दौरान, बाइडन ने कहा था कि उत्तर कोरिया द्वारा अमेरिका या उसके सहयोगियों एवं भागीदारों के खिलाफ किया जाने वाला परमाणु हमला अस्वीकार्य होगा और इसका परिणाम इस तरह की कार्रवाई करने वाले शासन का अंत होगा।

दोनों देशों के बीच समझौते के तहत उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे को रोकने के प्रयास के तहत दक्षिण कोरिया में समय-समय पर अमेरिका की परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने, दोनों देशों के बीच प्रशिक्षण को मजबूत करने और अन्य कदम उठाने का आह्वान किया गया है।

बाइडन और यून की शिखर वार्ता ऐसे समय में हुई थी, जब कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ गया है। उत्तर कोरिया के हथियारों के परीक्षण और अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों में तेजी आई है। उत्तर कोरिया 2022 की शुरुआत से अब तक करीब 100 मिसाइल का प्रक्षेपण कर चुका है।

बाइडन और यून की मुलाकात के दौरान दोनों देशों ने उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हमला किए जाने की स्थिति में राष्ट्रपतियों के स्तर पर द्विपक्षीय विचार-विमर्श करने और अमेरिका के परमाणु हथियारों समेत गठबंधन की पूरी ताकत का तेजी से, अप्रत्याशित तरीके से और निर्णायक तरीके से इस्तेमाल करने का संकल्प लिया।

सरकारी मीडिया में प्रसारित जोंग की टिप्पणियों में कहा गया है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच हुए समझौते ने उत्तर कोरिया के खिलाफ उनकी ''सबसे शत्रुतापूर्ण और आक्रामक कार्रवाई की मंशा'' को प्रतिबिंबित किया है और यह क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा को ''और अधिक गंभीर खतरे'' में धकेल देगा।

जोंग ने कहा कि इस शिखर वार्ता ने अपनी परमाणु हथियार क्षमताओं को और बढ़ाने के उत्तर कोरिया के दृढ़ संकल्प को और मजबूत किया है।उन्होंने परमाणु हमले की स्थिति में उत्तर कोरिया का अंत किए जाने संबंधी बाइडन की चेतावनी को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति की आलोचना की और उन्हें ''बूढ़ा'' और ''बहुत गलत अनुमान लगाने वाला एवं गैरजिम्मेदाराना रूप से बहादुर'' व्यक्ति बताया।बहरहाल, जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया बाइडन के बयान को ''किसी व्यक्ति द्वारा सनक में की गई बेतुकी टिप्पणी'' कहकर खारिज नहीं करेगा।

यदि बाइडेन जीतते हैं, तो वे चीन के साथ खराब संबंधों को सुधारने की कर सकते हैं कोशिश

वाशिंगटन। एजेंसी

चीन के विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले तनावपूर्ण अमेरिका-चीन संबंधों को और अधिक परीक्षणों का सामना करना पड़ेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) ने बताया कि लेकिन उनका कहना है कि अगर जो बाइडेन फिर से चुने जाते हैं, तो दोनों शक्तियों के बीच संबंधों में कुछ सुधार की संभावना है।

80 वर्षीय ने मंगलवार को घोषणा की कि वह पूर्व नेता डोनाल्ड ट्रम्प के साथ 2020 के राष्ट्रपति पद की दौड़ का रीमैच स्थापित करते हुए फिर से चुनाव लड़ेंगे, जो अब रिपब्लिकन फ्रंट-रनर हैं।

एससीएमपी ने बताया कि जबकि पहले प्राइमरी अभी भी महीने दूर हैं, 2024 का चुनाव संयुक्त राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण को गहरा करने के समय प्रकट होने की उम्मीद है और जब चीन पर एक सख्त रुख अपनाने पर द्विदलीय सहमति है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि जैसे-जैसे दौड़ तेज होगी, उम्मीदवार चीन पर सबसे मजबूत होने का दावा करके जमीन हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं, जिसे पेंटागन ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए शीर्ष चुनौती बताया है।

एससीएमपी की रिपोर्ट के अनुसार, सिचुआन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के एक प्रोफेसर पैंग झोंगयिंग के अनुसार, अमेरिकी चुनावी मौसम आने के साथ,

अमेरिका-चीन संबंध अधिक जटिल हो जाएंगे और दोनों पक्षों के बीच बातचीत में सुधार की आशा कम होगी।पैंग ने कहा, बाइडेन प्रशासन चीन के प्रति अपनी वर्तमान नीति को जारी रखेगा, और संभवतः सख्त होगा। लेकिन वह अमेरिका-चीन संबंधों को बेहतर बनाने के लिए [उपाय लेने] पर भी विचार कर सकता है, ताकि वह चीन के साथ संबंधों को अच्छी तरह से प्रबंधित करने का दावा कर सके।

एससीएमपी ने बताया, अगर बाइडेन जीतते हैं, तो यह राष्ट्रपति के रूप में उनका आखिरी कार्यकाल होगा और उन्हें कुछ विरासत बनाने की जरूरत होगी। चीन के साथ संबंधों में सफलता एक विकल्प हो सकता है।

लड़ाई खत्म होने तक बातचीत नहीं: सूडान अर्धसैनिक नेता

खार्तूम। सूडान के अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के नेता जनरल मोहम्मद हमदान डागलो ने कहा कि हिंसा प्रभावित अफ्रीकी देश में दो युद्धरत गुटों में से एक ने कहा कि जब तक लड़ाई होगी, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी।

हेमेदती के नाम से मशहूर डागलो ने शुक्रवार रात बीबीसी से बात करते हुए आरोप लगाया कि आरएसएफ के लड़ाकों पर लगातार बम बरसाए जा रहे हैं।

डगालो ने बीबीसी को बताया, हम सूडान को तबाह नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने सूडानी आर्म्ड (एसएएफ) के प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल-बुरहान को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया।

जनरल बुरहान दक्षिण सूडान में आमने-सामने बातचीत के लिए अस्थायी रूप से सहमत हो गए हैं।

आरएसएफ प्रमुख ने कहा कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन शर्त यह है कि संघर्षविराम लागू होना चाहिए। पहले लड़ाई बंद करो, उसके बाद हम बातचीत कर सकते हैं।डगालो ने कहा कि उन्हें जनरल बुरहान से कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं है, लेकिन उन्हें पूर्व राष्ट्रपति उमर अल-बशीर के प्रति वफादार लोगों को सरकार में लाने के लिए देशद्रोही माना, जिन्हें 2019 में बड़े पैमाने पर सड़क विरोध के बाद एसएएफ और आरएसएफ द्वारा एक साथ हटा दिया गया था।उन्होंने बीबीसी को बताया, दुर्भाग्य से बुरहान का नेतृत्व कट्टरपंथी इस्लामिक फ्रंट के नेता कर रहे हैं।

2021 में, उन्होंने और जनरल बुरहान ने तख्तापलट में पूर्ण नियंत्रण लेते हुए, नागरिकों के साथ सत्ता साझा करने के समझौते को पलट दिया।नागरिक शासन में प्रस्तावित वापसी को लेकर इस वर्ष दो सैन्य नेता अलग हो गए, विशेष रूप से डगालो की मजबूत आरएसएफ को सेना में शामिल करने की समय सीमा के बारे में।उन्होंने बीबीसी से कहा, मैं कल से पहले एक पूरी तरह से असैन्य सरकार की उम्मीद कर रहा हूं. यह मेरा सिद्धांत है।उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएफ के लड़ाके सैनिकों के दुश्मन नहीं हैं।

अमेरिका व पश्चिमी देश यूक्रेन संघर्ष को चाहते हैं और उग्र बनानाः ईरान

तेहरान। ईरान के रक्षा मंत्री मोहम्मदरेजा अष्टियानी ने कहा है कि अमेरिका और कुछ पश्चिमी देश कीव में हथियार भेजना जारी रखकर यूक्रेन में संघर्ष को और भीषण रूप देना चाहते हैं।समाचार एजेंसी आईआरएनए ने शुक्रवार को बताया कि अष्टियानी ने गुरुवार को नई दिल्ली, भारत में अपने बेलारूसी समकक्ष विक्टर खेनिन के साथ एक बैठक में यह टिप्पणी की।

बैठक में उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि ईरान हर उस कूटनीतिक प्रयास का समर्थन करेगा, जिससे यूक्रेन युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान होगा।उन्होंने कहा कि अमेरिका और कुछ पश्चिमी देशों के हस्तक्षेपपूर्ण और एकतरफा दृष्टिकोण ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष और असुरक्षा में वृद्धि की है। अष्टियानी ने कहा कि ईरान और बेलारूस को द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को बढ़ाने की दिशा में काम करने की आवश्यकता है।

सीमा प्रबंधन समझौतों के उल्लंघन के कारण चीन के साथ भारत के संबंध 'असामान्य': जयशंकर

सांतो डोमिंगो। एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि विशिष्टता की मांग किए बिना सभी देशों के साथ उसके संबंध बढ़ते रहें। उन्होंने कहा कि हालांकि, चीन द्वारा सीमा प्रबंधन समझौतों का उल्लंघन किए जाने के परिणामस्वरूप बीजिंग के साथ भारत के ''असामान्य'' प्रकृति के संबंधों के कारण वह एक अलग श्रेणी में आता है।

डॉमिनिक गणराज्य की पहली आधिकारिक यात्रा पर सांतो डोमिंगो पहुंचे जयशंकर ने शुक्रवार को डिप्लोमैटिक स्कूल के युवाओं को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत ने क्षेत्र में कनेक्टिविटी, संपर्क और सहयोग में नाटकीय विस्तार देखा है। उन्होंने कहा कि हालांकि, पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के कारण इसका अपवाद रहेगा।

जयशंकर ने कहा, ''चाहे अमेरिका, यूरोप, रूस या जापान हो, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि ये सभी संबंध बिना विशिष्टता की मांग किए बढ़ें। चीन हालांकि, सीमा विवाद और हमारे संबंधों की असामान्य प्रकृति के कारण अलग श्रेणी में आता है। यह उसके द्वारा सीमा प्रबंधन के संबंध में समझौतों के उल्लंघन का नतीजा है।'' गौरतलब है कि भारत पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन द्वारा बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती और उसके आक्रामक रवैये की आलोचना करता रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकताएं जाहिर तौर पर उसके पड़ोस में हैं। उसके आकार और आर्थिक शक्ति को देखते हुए यह सामूहिक लाभ की बात है कि भारत छोटे पड़ोसी देशों के साथ सहयोग के लिए उदार और गैर-पारस्परिक रवैये को अपनाता है और हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में यही किया है।''

जयशंकर ने कहा, ''कुल मिलाकर, भारत एक ऐसा देश है, जो वैश्विक भलाई के वास्ते सामूहिक समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस साल जी-20 की हमारी अध्यक्षता वैश्विक विकास और वैश्विक वृद्धि के समक्ष मौजूद वास्तविक चुनौतियों पर केंद्रित है।'' लातिन अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी पर उन्होंने कहा, ''आज लातिन अमेरिका के साथ हमारा व्यापार 50 अरब डॉलर के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है।''

उन्होंने कहा, ''भारत ने क्षेत्र में कनेक्टिविटी, संपर्क और सहयोग में नाटकीय विस्तार देखा है। इसमें सीमा पार आतंकवाद के कारण जाहिर तौर पर पाकिस्तान एक अपवाद है। लेकिन चाहे कोविड-19 संबंधी चुनौती हो या हाल में कर्ज का अधिक दबाव हो, भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के लिए खड़ा हुआ है। विदेश मंत्री ने इस संदर्भ में श्रीलंका का हवाला दिया, जहां भारत ने दशकों में देश के सबसे बुरे आर्थिक दौर में उसे चार अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय मदद दी है।

जयशंकर ने कहा, ''कुल मिलाकर, भारत एक ऐसा देश है, जो वैश्विक भलाई के वास्ते सामूहिक समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस साल जी-20 की हमारी अध्यक्षता वैश्विक विकास और वैश्विक वृद्धि के समक्ष मौजूद वास्तविक चुनौतियों पर केंद्रित है।'' लातिन अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी पर उन्होंने कहा, ''आज लातिन अमेरिका के साथ हमारा व्यापार 50 अरब डॉलर के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भले ही विधायक साथ नहीं, लेकिन एनसीपी में सीएम बनने के लिए होड़ लगी

मुंबई। एनसीपी में सीएम बनने के लिए नए-नए चेहरे सामने आ रहे हैं। महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए जितने विधायक चाहिए वे एनसीपी के पास दूर-दूर तक नहीं लेकिन फिर भी मुख्यमंत्री बनने की होड़ लग गई है। अजित पवार के बाद जयंत पाटिल का नाम मुख्यमंत्री के लिए उछाला जा रहा हैं। कई जगह पोस्टर लगाकर नारेबाजी की जा रही है। इससे पार्टी दो फांक हो गई है। एनसीपी के पदाधिकारी आए दिन अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाने वाले बयान देते रहते हैं। यह बात एनसीपी के कुछ दिग्गज नेताओं का रास नहीं आई। तो उन्होंने एनसीपी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल का नाम भी उछाला है। गत दिनों इस संबंध में बाकायदा बैनर-पोस्टर भी लगाए गए। हालांकि पाटील का नाम चलाने वाले लोग अजित पवार की आंखों में चुभ रहे हैं। इससे पार्टी के अंदर ही तनातनी की स्थिति है। सूत्र कहते हैं कि जयंत पाटिल का नाम एनसीपी प्रमुख शरद पवार के इशारे पर उछाला गया, वर्ना तो अजित पवार के सामने किसी की क्या हिम्मत थी। जयंत पाटील का नाम सामने आने के बाद अजित पवार को भावी मुख्यमंत्री बनाने की मुहिम में उनके समर्थक पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। इस मामले में एनसीपी विधायक अमोल मिटकरी ने कहा है कि आज के हालात में महाराष्ट्र की राजनीति संभालने में अजित पवार से बेहतर नेता कोई और नहीं। खुद बीजेपी के दिग्गज नेता व देश के गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कबूल किया है। अमोल मिटकरी ने बीड में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि अजित पवार का मुख्यमंत्री बनना तय है। बस समय का इंतजार कीजिए। दूसरी तरफ अभिनेता और एनसीपी नेता अमोल कोल्हे ने सांगली में कहा है कि महाराष्ट्र जयंत पाटिल जैसे सुसंस्कृत, सुशिक्षित और सभ्य नेता के मुख्यमंत्री बनने की राह देख रहा है। मतलब पिक्चर साफ है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर एनसीपी में दो फांक है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में हुआ दर्दनाक हादसा, गाड़ी खाई में गिरने से सेना के दो जवानों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में सेना के दो जवानों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। हादसा केरी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हुआ। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी बताया कि दुर्घटना तब हुई जब बल की एक एम्बुलेंस सड़क से फिसल गई और खाई में गिर गई। अधिकारियों ने कहा कि सेना की एंबुलेंस नियंत्रण रेखा के पास डुंगी गाला के पास उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई जब उसके चालक ने तेज मोड़ पर नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एंबुलेंस चालक और एक जवान की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बचावकर्ताओं ने उनके शवों को खाई से निकाल लिया। पिछले साल दिसंबर में, उत्तरी सिक्किम के पास एक खड़ी ढलान पर वाहन के फिसलने से सेना के 16 जवानों की मौत हो गई थी और चार अन्य घायल हो गए थे। यह वाहन तीन वाहनों के काफिले का हिस्सा था, जो चटन से सुबह थंगू की ओर बढ़ा था। ज़ेमा के रास्ते में, वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

श्रद्धा हत्याकांड की सुनवाई 9 मई तक के लिए स्थगित की

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने श्रद्धा वॉल्कर हत्याकांड की सुनवाई 9 मई तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत को आफताब अमीन पूनावाला के खिलाफ आरोप तय करने पर अपना आदेश सुनाना था, आफताब पर अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा वॉल्कर की गला दबाकर हत्या करने और फिर उसके शरीर के कई टुकड़े करने का आरोप है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मनीषा खुराना कक्कड़ ने आरोप तय करने का आदेश 15 अप्रैल को सुरक्षित रखने के बाद इस 29 अप्रैल को सुनाया जाना तय किया था। इसके अलावा, दिल्ली पुलिस भी विकास वॉल्कर (श्रद्धा के पिता) के आवेदन पर अपना जवाब दाखिल करने वाली थी, जिसमें उनकी दिवंगत बेटी के अवशेषों को अंतिम संस्कार करने के लिए देने की मांग की गई थी। विशेष लोक अभियोजक अमित प्रसाद ने पिछली सुनवाई के दौरान कहा था कि पुलिस अर्जी पर सुनवाई की अगली तारीख पर जवाब दाखिल करेगी। पिछली बार आरोपों पर बहस भी पूरी हुई थी। दिल्ली पुलिस ने इससे पहले अदालत से कहा था कि विश्वसनीय और पुख्ता सबूतों से आपत्तिजनक परिस्थितियां स्पष्ट रूप से सामने आती हैं और वह घटनाओं की सीरीज बनाती हैं।

सासाराम हिंसा मामले में भाजपा के पूर्व विधायक प्रसाद गिरफ्तार

सासाराम। बिहार के सासाराम में31 मार्च को हुई हिंसा मामले में पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद को गिरफ्तार किया है। प्रसाद की गिरफ्तारी सासाराम स्थित उनके आवास से हुई है। बिहार पुलिस की ओर से बीजेपी के पूर्व विधायक की गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है। पुलिस ने बताया कि सासाराम शहर में 31 मार्च 2023 को हिंसा की घटना हुई थी। इस मामले में 28 अप्रैल तक 63 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई थी। इसके अलावा दो अभियुक्तों ने पुलिस दबिश के कारण अदालत में आत्मसमर्पण किया था। इस मामले में 28 अप्रैल की रात अदालत से प्राप्त गैर जमानतीय वारंट का तामिला करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसमें शाहनवाज आलम उर्फ लखानी और पूर्व विधायक प्रसाद शामिल है। दोनों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा रहा है। बिहार पुलिस की ओर से बताया गया कि इस संबंध में 12 अभियुक्तों के खिलाफ इश्तेहार का तामिला भी कराया जाएगा। जबकि जिन शेष 38 अभियुक्तों के अदालत से गैर जमानतीय वारंट जारी है, उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही हैं। सासाराम में रामनवमी जुलूस के बाद दो पक्षों में फायरिंग और पत्थरबाजी की घटना हुई थी। जिसके कारण रोहतास जिला में 8 दिनों तक इंटरनेट सेवा बंद कर दिया गया था। पूर्व बीजेपी विधायक प्रसाद की गिरफ्तारी से पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जाहिर की है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह ने कहा कि दंगा रोकने वालों को गिरफ्तार करना उचित नहीं है।

किराये पर घर लेना हो तो चाहिए 90 फीसदी मार्क्स ! मकान मालिक ने रखी अजीब शर्तें

बैंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के बैंगलुरु में किराए पर घर लेने निकले एक शख्स को आखिर क्यों घर नहीं मिला, यह जानकर आप हैरान रह जाएंगे, क्योंकि मकान मालिक ने अजीब शर्तें रख दी। दरअसल, शख्स ने घर किराए पर देने वाले ब्रजेश नाम के ब्रोकर के साथ चैट का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें ब्रोकर ने लिखा है कि हाय योगेश किराए पर घर के लिए ओनर ने आपका प्रोफाइल अप्रूव किया है। आप अपनी कंपनी का ज्वाइनिंग सर्टिफिकेट, लिंक्डइन, ट्विटर प्रोफाइल, 10-12 की मार्कशीट, आधार और पैन कार्ड शेयर कर दीजिए। योगेश ने रिप्लाई में लिखा है कि थैंक यू सुबह तक भेज दूंगा। इसके बाद ब्रोकर लिखता है कि अपने बारे में 150 से 200 शब्द का राइटअप भी लिखकर दीजिए। इसके बाद योगेश अपने सारे डॉक्युमेंट ब्रोकर को मेल कर देता है और उसे इस बात की जानकारी दे देता है। इसके बाद ब्रोकर लिखता है कि हाय योगेश मैंने आपके डॉक्युमेंट और राइटअप ओनर को भेज दिए। आपका प्रोफाइल रिजेक्ट हो गया है, क्योंकि 12वीं में आपके 75 फीसदी मार्क्स थे। मकान मालिक 90 फीसदी की उम्मीद करते हैं।

मेरे रिजल्ट पर मुझे वन बीएचके भी नहीं मिलेगा : यूजर

वायरल पोस्ट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि पढ़ाई लिखाई करो तभी घर बना पाओगे, पापा सही कहते थे। एक अन्य ने लिखा कि नौकरी पाने के लिए भी मैंने इससे कम डॉक्युमेंट जमा किए थे। एक यूजर ने कहा कि अब तो फ्लैट लेने के लिए एंट्रेंस एग्जाम भी देना पड़ सकता है। एक अन्य ने लिखा कि ऐसे तो मेरे रिजल्ट पर मुझे वन बीएचके भी नहीं मिलने वाला।

अशरफ के साले सद्दाम पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड की साजिश के आरोप में फरार माफिया अतीक के भाई व पूर्व विधायक अशरफ के साले सद्दाम पर एक लाख रुपये के ईनाम रखा गया है। अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी), बरेली जोन, पीसी मीना ने शुक्रवार को ईनाम की घोषणा की। आईजी रेंज (पुलिस महानिरीक्षक) ने 17 अप्रैल को सद्दाम पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। एडीजी के निर्देश पर पुलिस सद्दाम की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवालों से मिले केजरीवाल, लोगों से की यह खास अपील

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जंतर-मंतर पर डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जो लोग हमारे देश से प्यार करते हैं, चाहे वे कांग्रेस, आप या भाजपा से हों और भले ही किसी भी पार्टी से संबद्ध न हों, उन्हें उतरना चाहिए और उन्हें (पहलवानों को) समर्थन देने के लिए यहां आना चाहिए। आपको बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह भाजपा के सांसद भी हैं। हालांकि, इससे पहले बजरंग पुनिया ने साफ तौर पर कहा कि कुछ लोग हमारे आंदोलन को बदलने और अलग दिशा में ले जाने का प्रयास कर रहे हैं, हम इस चीज का खंडन करते हैं। हम यहां सिर्फ न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए आए हैं।

केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा कि मोदी जी ने ग़रीबों के बच्चों को पढ़ाने वाले को जेल में डाल दिया। और महिला खिलाड़ियों का शोषण करने वाले को गले से लगा लिया? पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि हम खिलाड़ी हैं और हम किसी राजनीतिक पार्टी का समर्थन नहीं करते। यहां आकर जो भी हमारे धरने को भटकाने की कोशिश कर रहा है, उसका जिम्मेदार वो खुद होगा हम नहीं होंगे। आपको बता दें कि पहलवानों के प्रदर्शन में कई राजनेता शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदर्शन कर रहे पहलवानों से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि अगर 2 एफआईआर दर्ज हुई हैं तो उसकी किसी को भी कॉपी नहीं मिली है। किसी को नहीं मालूम कि उस एफआईआर में

क्या लिखा है। इस शख्स (डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह) पर गंभीर आरोप हैं, तो पहले उनको पद से हटाएं।

उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो पहलवान आंदोलन पर बैठे हैं, ये मामला अब सुप्रीम कोर्ट के हाथ में चला गया है। जो सुप्रीम कोर्ट निर्देश देगा, उस पर सरकार को काम करना पड़ेगा।

डब्ल्यूएफआई प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि एक ही परिवार और एक ही अखाड़ा क्यों? हरियाणा के अन्य खिलाड़ी क्यों नहीं? हिमाचल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के खिलाड़ी क्यों नहीं? 12 साल से लगातार इनके साथ यौन उत्पीड़न हो रहा है, वो यौन उत्पीड़न देश के अन्य खिलाड़ियों के साथ क्यों नहीं होता है?

देश में राजनीतिक संवाद व विमर्श में सौहार्द्र की आई कमी : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि देश में राजनीतिक संवाद के स्तर में गिरावट आई है और मौजूदा राजनीतिक विमर्श में सौहार्द्र की कमी हो गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को एक कप कॉफी की पेशकश करने जैसे सामान्य कदम को भी पूरी तरह से गलत समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अतीत में ऐसी स्थिति नहीं थीं। इस क्रम में उन्होंने कांग्रेस नेता चक्रवर्ती राजगोपालाचारी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता पी राममूर्ति के कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद उनके आपसी संबंधों को याद किया। वित्त मंत्री ने कहा कि राजाजी अपने घर से एक थर्मस में कॉफी ले जाते थे और चर्चा के बीच राममूर्ति को कॉफी की पेशकश करते थे। वित्त मंत्री ने दिग्गज बैंकर एन वघुल की किताब रिफ्लेक्शंस के विमोचन के मौके पर यहां कहा, मैं (अभी) एक कप कॉफी की पेशकश करने की कल्पना भी नहीं कर सकती, इसे पूरी तरह से गलत समझा जा सकता है। सीतारमण ने राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ वघुल के टकराव का भी जिक्र किया। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने भी सुना है कि कैसे बैंकरों को नेताओं के हस्तक्षेप का सामना करना पड़ता था। वघुल ने 47 साल की उम्र में एक सरकारी बैंक से इस्तीफा दे दिया था। वित्त मंत्री ने कहा कि 40 वर्षों तक प्रत्येक सरकार ने पिछली सरकार के साथ यह दिखाने के लिए तुलना की कि वे पहले की सरकार की अपेक्षा अधिक समाजवादी हैं। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार 2021 में उनके द्वारा पेश किए गए बजट में निजीकरण शब्द का उल्लेख किया गया था, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन की वजह से था।

'पीएम मोदी की लोकप्रियता के कारण कांग्रेस बहुत निराश-हताश',

राजनाथ बोले- वे लोग अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर्नाटक में भाजपा के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। उन्होंने सबसे पहले कांग्रेस पर जबरदस्त निशाना साधा। हाल में ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीला सांप कहा था। इसी को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के कारण ये लोग (कांग्रेस) बहुत निराश-हताश है और इस कारण वे अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे कहते हैं कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी में ज़हर है। उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि मोदी जी की लोकप्रियता के कारण इन्हें जो दर्द हो रहा है उसे सहने की इन्हें शक्ति दें।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मज़हब के आधार पर आरक्षण देकर कांग्रेस पार्टी ने संविधान के साथ क्रूर मज़ाक़ किया है। हम समाज को बाँट कर राजनीति

नहीं करते। उन्होंने कहा कि पीएफाई को कांग्रस ने आश्रय देने का काम किया। हमने कहा था कि इनकी देश विरोधी गतिविधि है और हम जब आएंगे तो पीएफआई पर बैन लगाएंगे और हमने इसपर बैन लगाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा जो बोलती है वह करती है, यानी हमारी कथनी और करनी में फर्क नहीं होता। उन्होंने कहा कि ये समाज को तोड़ कर सरकार बनाना चाहते हैं। हम समाज को जोड़कर सरकार बनाना चाहते हैं। यह लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं।

राजनाथ ने कहा कि आज भारत अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो दुनिया कान खोल कर सुनती है। यूक्रेन संकट के दौरान हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे बात करके क़रीब 22000 भारतीयों को सुरक्षित निकालने का काम किया था। उन्होंने कहा कि अभी सूडान के संकट के दौरान ऑपरेशन कावेरी चला कर हमारे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम किया है। राजनाथ ने कहा कि नौ वर्ष हो गये केंद्र में मोदी सरकार के दामन पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है। यहाँ कर्नाटक में दोबारा सरकार बनती है तो मैं आपको यक़ीन दिलाता हूँ कि भ्रष्टाचार करने वाले का स्थान उसका घर नहीं जेल में होगा।

कांग्रेस विषकुंभ बन गई हैं, पीएम मोदी के खिलाफ जहर उगलती रहती है : शिवराज

- कर्नाटक को सिद्धारमैया, रगे और शिवकुमार से बचाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पहुंचे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री पर दिए गए बयान की आलोचना की। सीएम शिवराज ने कहा कि कांग्रेस विषकुंभ बन गई है, और प्रधानमंत्री मोदी के बारे में जहर ही फैलाती रहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता कभी कहते हैं कि मोदी मौत के सौदागर हैं, तब कभी कोई कहता है, सारे मोदी चोर है। कोई कहता है, मोदी सांप है, तब कोई उन्हें नीच बोलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता जाने की छटपटाहट के कारण कांग्रेस के विषकुंभ से जहरीले बयान निकल रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जहर पीने वाले, विषपान करने वाले नीलकंठ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सांप नहीं, बल्कि देश की सांस, जनता की आस हैं और लोगों का विश्वास हैं। जैसे ऑक्सीजन पूरे शरीर को जीवन भी देती है और स्फूर्ति से भर देती है, वैसे प्रधानमंत्री ने देश को नवजीवन दिया है।

चौहान ने कांग्रेस के तीन बड़े नेताओं पर निशाना साधकर कहा कि कर्नाटक को एसएमएस मतलब सिद्धारमैया, मल्लिकार्जुन खरगे और शिवकुमार से बचाना है। जिस तरह से एक करप्ट मैसेज मोबाइल खराब कर देता है, ठीक वैसे ही ये करप्ट एसएमएस कर्नाटक के भविष्य को खराब कर देगा। केवल डबल इंजन की सरकार ही भाजपा को बचा सकती है।

पीएम मोदी व गृहमंत्री शाह को दिया जाना चाहिए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का श्रेय: सीएम भूपेंद्र पटेल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर निर्माण का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के दोनों वरिष्ठ नेताओं ने देश की संस्कृति और आस्था को संरक्षित करने के लिए बहुत कुछ किया है। पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भगवान राम की जन्म भूमि अयोध्या में राम मंदिर के लिए अतीत में कई आंदोलन हुए, जहां अब एक विशाल मंदिर बन रहा है। वह विश्व उमियाधाम द्वारा बृहस्पतिवार कोनिकोल इलाके में आयोजित 'राम कथा' में जुटे लोगों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए अतीत में कितने आंदोलन हुए। मंदिर 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका श्रेय हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को देना चाहिए। उन्होंने हमारी आस्था और संस्कृति को सहेजने में बहुत योगदान दिया है। विश्व उमियाधाम एक वृहद मंदिर परिसर है, जिसे एक हजार करोड रुपए की लागत से अहमदाबाद शहर के पास जसपुर गांव में स्थापित किया जा रहा है। यह मंदिर पाटीदार समुदाय के एक उप-समूह कडवा पटेल की अधिष्ठात्री देवी मां उमिया को समर्पित होगा। विश्व उमिया फाउंडेशन के अनुसार निर्माण पूरा हो जाने के बाद यह मंदिर 504 फुट की कुल ऊंचाई के साथ दुनिया का सबसे ऊंचा मंदिर होगा। 30 लाख वर्गफीट में फैले इस मंदिर का शिलान्यास भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2019 में किया था।

आनंद मोहन की रिहाई केंद्र के मॉडल जेल मैनुअल 2016 पर आधारित : नीतिश

पटना (एजेंसी)। आईएएस अधिकारी की हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आनंद मोहन सिंह की रिहाई को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दावा किया कि यह फैसला केंद्र के मॉडल जेल मैनुअल 2016 पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने अपने साथ रखी एक किताब का हवाला देकर कहा, यह मॉडल जेल मैनुअल 2016 की किताब है। कृपया इस पढ़कर मुझे बताएं कि क्या कोई प्रावधान कहता है, कि अगर कोई आईएएस अधिकारी मारा जाता है, तब दोषी को अपने पूरे जीवन जेल में रहना होगा।

देश के किसी भी राज्य में ऐसा कोई कानून नहीं है। इसकारण हमारी सरकार ने बिहार में हटा दिया है। वह (आनंद मोहन) 15 साल से अधिक समय से

जेल की सजा काट रहे थे। गहन चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। 2017 से 696 कैदियों को रिहा किया गया है। उन्होंने पूछा कि क्या आम लोगों और एक सरकारी अधिकारी के लिए जरूरी कानून में कोई अंतर है? 27 कैदियों को रिहा किया गया है, फिर भी केवल एक व्यक्ति की रिहाई का विरोध क्यों किया जा रहा है?

भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी के आरोपों के बारे में पूछने पर, कुमार ने आनंद मोहन और सुशील मोदी की तस्वीर दिखाकर कहा, इस तस्वीर को देखें और इसका विश्लेषण करें। मोदी इस फरवरी में आनंद मोहन से मिले और उनकी रिहाई के लिए लड़ाई लड़ी। लेकिन जब हमने रिहा किया, तब इस पर आपत्ति जाहिर की। कुमार ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि पिछले दो महीनों में क्या बदल गया है कि वह अब आपत्ति कर रहे हैं। टाडा कैदियों पर नीतीश कुमार ने कहा, हम किसी भी राजनीतिक दल की मांग पर विचार नहीं कर सकते। ये सभी चीजें कानून के अनुसार होंगी।

बिजली गिरने से पाटण में युवक की और बनासकांठा में किशोर की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में बेमौसमी बारिश के बीच पाटण और बनासकांठा जिले में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। जिसमें एक 23 वर्षीय युवक और 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। इसके अलावा मेहसाणा में चबूतरे पर बिजली गिरने से कई कबूतरों की मौत खबर है। बता दें कि मौसम विभाग ने वेस्टर्न डिस्टर्बन्स और सर्क्युलेशन के कारण राज्य में पांच दिन बेमौसमी बारिश की भविष्यवाणी की है। इसके अंतर्गत बनासकांठा, मेहसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर अहमदाबाद, तापी, राजकोट और अमरेली में बेमौसमी बारिश की संभावना है। संभावनाओं के बीच मेहसाणा और बनासकांठा जिले का मौसम बदल गया है। सीमा से सटे गांव में ओले के साथ बारिश होने की खबर है। बनासकांठा के धानेरा सीमा क्षेत्र में सुबह ओले के साथ बारिश होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। दूसरी ओर पाटण स्थित वर्ल्ड हेरिटेज राणकी वाव में बिजली गिरने से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बनासकांठा जिले के गढ़ मडाणा गांव निवासी 23 वर्षीय संदीप जगदीशभाई प्रजापति और रोहित बंसीलाल मेवाडा राणकी वाव घूमने गए थे।

सुनवाई प्रक्रिया को लेकर 'गंभीर दोषपूर्ण तथ्यों के आधार पर' राहुल गांधी को दोषी ठहराया गया: अभिषेक मनु सिंघवी

अहमदाबाद (एजेंसी)। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार को गुजरात उच्च न्यायालय से कहा कि राहुल गांधी की 'मोदी उपनाम' संबंधी टिप्पणी से जुड़े एक आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई प्रक्रिया को लेकर ''गंभीर दोषपूर्ण तथ्यों के आधार पर'' कांग्रेस नेता की दोषसिद्धि हुई। सिंघवी ने उच्च न्यायालय में गांधी की ओर से दलील देते हुए यह टिप्पणी की। उच्च न्यायालय राहुल गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें इस आपराधिक मानहानि मामले में उनकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाने के सूरत सत्र अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति हेमंत प्राच्छक ने सत्र अदालत के 20 अप्रैल के आदेश को चुनौती देने वाली गांधी की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई की। यदि उच्च न्यायालय इस याचिका को मंजूर कर लेता है, तो इससे गांधी को फिर से संसद सदस्य बनाए जाने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। इससे पहले न्यायमूर्ति गीता गोपी की अदालत के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए इस मामले का उल्लेख किया गया था। न्यायमूर्ति गोपी ने बाद में खुद को सुनवाई से अलग कर लिया था और फिर न्यायमूर्ति प्राच्छक को यह मामला सौंपा गया था। सिंघवी ने उच्च न्यायालय में दलील देते हुए कहा कि सुनवाई प्रक्रिया को लेकर 'गंभीर दोषपूर्ण तथ्यों'' के कारण यह दोषसिद्धि हुई। उन्होंने कहा, ''एक लोक सेवक या एक सांसद के मामले में, इसके उस व्यक्ति और निर्वाचन क्षेत्र के लिए भी ऐसे बहुत गंभीर परिणाम होते हैं, जिन्हें बाद में बदला नहीं जा सकता। इसके फिर से चुनाव को लेकर भी कठोर परिणाम होते हैं।''

गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर 2019 के मामले में सूरत की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने 23 मार्च को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 499 और 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद गांधी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। राहुल गांधी 2019 में केरल के वायनाड से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। सूरत की सत्र अदालत ने कांग्रेस नेता को दोषी ठहराये जाने के फैसले

पर रोक लगाने की उनकी अर्जी 20 अप्रैल को खारिज कर दी थी। गांधी इस मामले में फिलहाल जमानत पर हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली के गांवों के विकास से सम्बंधित कार्यों को गति देने के लिए समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में दिल्ली के गांवों के विकास कार्यों को गति देने के लिए दिल्ली सचिवालय में विकास विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद राय ने बताया कि ग्रामीण विकास बोर्ड की बैठक 25 मई को दिल्ली सचिवालय में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

दिल्ली के गांवों के विकास से सम्बंधित 400 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट बोर्ड मीटिंग में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए है। साथ ही आईएंडएफसी के अधिकारियों को दिल्ली के गांवो के विकास कार्यों से सम्बंधित परियोजनाओं और लंबित प्रस्तावों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

राय ने बताया कि दिल्ली के गांवों में विकास सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का गठन किया गया था। इस बोर्ड का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के गांवों में हर तरह की मूलभूत सेवाएं सुनिश्चित करना है। राय ने कहा कि केजरीवाल सरकार गांवों में सड़कों, पार्कों, नालियों और बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्रों की स्थिति में सुधार करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, एमसीडी सहित अन्य सरकारी विभागों के माध्यम से किया जा रहा है।

अवैध संबंधों के चलते की गई थी सब्जी विक्रेता की हत्या, पुत्रवधु के बाद बेटी पर भी रखता था गंदी नज़र

ग्रेटर नोएडा । थाना ईकोटेक -3 क्षेत्र में 26 अप्रैल को हुई सब्जी विक्रेता की हत्या के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतक का पर्स, बैग आदि बरामद किया है। यह हत्या अवैध संबंधों के चलते होनी बताई जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) राम बदन सिंह ने बताया कि 26 अप्रैल को थाना इकोटेक -तीन क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को मिला था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक जनपद अलीगढ़ निवासी चांद मलिक है। वह दिल्ली के स्वरूप नगर में रहकर सब्जी बेचने का काम करता था।

उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच में जुटी थाना ईकोटेक- 3 पुलिस ने हत्या में शामिल एक अभियुक्त प्रदीप कुमार निवासी ग्राम याकूबपुर थाना फेस 2 नोएडा को गिरफ्तार किया है। पूछताछ करने पर प्रदीप कुमार ने पुलिस को बताया कि उसकी पुत्र वधू के मृतक चांद मलिक के साथ अवैध संबंध थे, चांद मलिक आरोपी की बेटी पर भी बुरी नजर रखने लगा था, उसने उसके साथ कई बार बदसलूकी की थी, इस बात की जानकारी आरोपी को हुई। चांद मलिक को रास्ते से हटाने के लिए प्रदीप द्वारा चांद को शराब पीने के बहाने आइटीबीपी कैंप के पास बुलाया गया, तथा शराब पिलाने के बाद चाकू से गोद कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतक का पर्स, बैग, खून से सने कपड़े आदि बरामद हुआ है।

नोएडा में एक लाख का इनामी मनोज आसे गिरफ्तार, चार कुख्यात भी पकडे गए मुठभेड़ में

नोएडा । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित माफिया और एक लाख के इनामी बदमाश सहित चार कुख्यात बदमाशों को जनपद गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने एक मुठभेड़ के दौरान आज भिन्न-भिन्न जगहों से गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक लाख रुपए के इनामी बदमाश के पैर में लगी है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) साद मियां खान ने बताया कि थाना कासना पुलिस ने आज शाम को एक सूचना के आधार पर एक मुठभेड़ के दौरान आजाद सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी गांव इमिलिया तथा संजय पुत्र जयपाल निवासी समसपुर दनकौर को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने एक लाल रंग की कार तथा अवैध हथियार आदि बरामद किया था। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने बताया कि उनके साथ एक थार कार गाड़ी चल रही थी, जिसमें कुख्यात माफिया मनोज उर्फ आसे जो कि शासन द्वारा चिन्हित माफिया है और इसके ऊपर एक लाख का इनाम घोषित है, अपने एक साथी के साथ भाग गया है। डीसीपी ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने थार में सवार बदमाशों की तलाश में चेकिंग शुरू की।

पहलवानों के समर्थन में आए दो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट समेत कई खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाकर देश के शीर्ष पहलवान पिछले 6 दिनों से जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। पहलवानों की मांगों को अभी तक सरकार ने नहीं माना है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में आज दिल्ली पुलिस को बृज भूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को बोला है, लेकिन खबर लिखे जाने तक अभी तक एफआईआर नहीं हुई है।

छठे दिन पहलवानों के धरना प्रदर्शन में समर्थन नेताओं के साथ देश के कई दिग्गज खिलाड़ी भी आ गए हैं। कई खिलाड़ियों ने ट्विट कर पहलवानों को अपना समर्थन दिया है। बीजिंग ओलंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में देश के लिए पहला व्यक्तिगत ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने पहलवानों के समर्थन में ट्विट किया है। अभिनव ने अपने संदेश में लिखा है कि 'बतौर एथलीट वह और अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए हर दिन कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन यह काफी चिंताजनक है कि यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर मामले में इंसाफ मांगने के लिए खिलाड़ियों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।'

वहीं टोक्यो ओलंपिक में एथलेटिक्स में देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाकर इतिहास रचने वाले

छठे दिन पहलवानों के धरना प्रदर्शन में समर्थन नेताओं के साथ देश के कई दिग्गज खिलाड़ी भी आ गए हैं। कई खिलाड़ियों ने ट्विट कर पहलवानों को अपना समर्थन दिया है।

जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने भी धरने पर बैठे पहलवानों का समर्थन किया है। चोपड़ा ने ट्विट पर अपनी प्रक्रिया देते हुए लिखा है कि, 'हमारे खिलाड़ियों को न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर देखकर मुझे दुख होता है। उन्होंने हमारे महान राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने और हमें गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है और इसका निपटारा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होना चाहिए।

जंतर मंतर पर धरने पर बैठी कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन विनेश फोगाट ने गुरुवार को एक मीडिया हाउस से कहा था कि देश के शीर्ष क्रिकेटर पहलवानों को अपना समर्थन नहीं दे रहे हैं क्योंकि वो अपने विज्ञापन खोने से डरते हैं। इसके बाद भारत के दिग्गज ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने पहलवानों के समर्थन में ट्विट किया है। सहवाग ने ट्विट करते हुए लिखा है कि, %बहुत दुख की बात है की हमारे चैंपियंस जिन्होंने देश का बड़ा नाम किया है, झंडा लहराया है, हम सबको इतनी खुशियां दी हैं, उन्हें आज सड़क पर आना पड़ा है। बड़ा संवेदनशील मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

भारत को पहला क्रिकेट वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने भी पहलवानों को लेकर अपनी राय दी है। कपिल देव ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'क्या पहलवानों को कभी इंसाफ मिल पाएगा या नहीं?।

मुक्केबाज निकहत जरीन, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा भी आंदोलनरत खिलाड़ियों के समर्थन में बोलीं। वहीं पूर्व क्रिकेटर और पूर्व सांसद नवजोत सिंह सिद्धू ने सोमवार को धरने में शामिल होने की घोषणा की है।

मेट्रो में लड़की के सामने युवक ने की अश्लील हरकत, वीडियो वायरल, डीसीडब्ल्यू ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में लड़की के बगल में बैठकर एक युवक ने अश्लील हरकत की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। अश्लील हरकत करने वाले युवक पर सख्त कार्रवाई करने की मांग को लेकर दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने दिल्ली पुलिस और दिल्ली मेट्रो को नोटिस भेजा है।

डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि नोटिस में उन्होंने मेट्रो और पुलिस अधिकारियों से कहा है कि वह इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने युवक की हरकत को शर्मनाक बताया है। युवक की इस शर्मनाक हरकत को एक लड़की ने चुपके से अपने मोबाइल में रिकार्ड कर लिया था, जिसे बाद में सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

दिल्ली में अब महिलाएं नाइट शिफ्ट में भी कर सकेंगी काम, श्रम विभाग ने ड्राफ्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार दिल्ली की महिलाओं के लिए एक खुशखबरी लेकर आई है। अब दिल्ली में महिलाएं पूरी सुरक्षा के साथ नाइट शिफ्ट में भी काम कर सकेंगी। श्रम मंत्री ने इसके ड्राफ्ट को अपनी मंजूरी दे दी है। दिल्ली सरकार के श्रम मंत्री राज कुमार आनंद ने उच्चस्तरीय बैठक कर महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति देने व उनकी सुरक्षा समेत अन्य बिंदुओं पर बने ड्राफ्ट पर श्रम विभाग के अधिकारियों से चर्चा की। अब श्रम विभाग जनता से इस पर सुझाव और आपत्तियां मांगेगा और उसके बाद ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने श्रम विभाग की बैठक ली थी और इस विषय में आगे कदम उठाने के निर्देश दिए थे। उसी परिपेक्ष में श्रम मंत्री ने श्रम विभाग के अधिकारियों से ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देश दिए थे। जिस पर विस्तार से चर्चा की गई और श्रम मंत्री ने ड्राफ्ट को मंजूरी देते हुए यह तय किया गया कि अब महिलाओं की कार्यबल में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए उन्हें भी नाइट शिफ्ट में काम करने का अवसर देना चाहिए। हालांकि महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियोक्ताओं को महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर उचित इंतजाम करने होंगे। ड्राफ्ट के अनुसार महिलाएं रात 7 बजे से सुबह 6 बजे काम कर सकती हैं, हालांकि इसके लिए महिलाओं की सहमति होना बेहद आवश्यक है। नाइट शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं के लिए नियोक्ताओं (एम्पलॉइअर) को उनके लिए घर से दफ्तर तक यातायात की व्यवस्था करनी होगी। कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए शौचालय, पीने के पानी और उनके आवागमन के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए और वह उनके कार्यस्थल के पास होना चाहिए। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए नियोक्ताओं को अलग नंबर के साथ ही कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के रोकथाम के लिए सेक्शुअल हैरेसमेंट ऑफ वुमन एट वर्कप्लेस (प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन एंड रिड्रेसल) एक्ट 2013 का पालन करते हुए उचित इंतजाम किए जाने चाहिए।

श्रम विभाग की ओर से 30 दिन का समय तय किया गया है। जिसके बाद विभाग जनता के सुझावों और आपत्तियों को ड्राफ्ट में शामिल करेगा और इसके कानूनी रूप से विश्लेषण के लिए कानून विभाग को भेजेगा। यहां से ड्राफ्ट पास होने के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। जिसके बाद इसे दिल्ली में लागू किया जाएगा और महिलाएं नाइट शिफ्ट में काम कर पाएंगी।

बृजभूषण को जेल नहीं भेजे जाने तक जारी रहेगा धरना : विनेश फोगाट

नई दिल्ली। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण के खिलाफ दिल्ली पुलिस एफआईआर दर्ज करने की तैयारी में है। दिल्ली पुलिस ने आज ही सुप्रीम कोर्ट को बताया की खिलाड़ियों की शिकायत पर बृजभूषण के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। इस बीच खिलाड़ियों ने प्रेस वार्ता करके उनकी गिरफ्तारी की अपील की है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे खिलाड़ियों ने दिल्ली पुलिस पर नाराजगी जाहिर की।

पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि हमें दिल्ली पुलिस पर भरोसा नहीं है। हम छह दिनों से बैठे हैं। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर ही हमारा अगला कदम होगा। हमारी मांग है कि बृजभूषण को जेल में डाला जाए। साथ उनकी प्रधानमंत्री से नैतिकता के आधार पर अपील है कि उन्हें हर एक पद से हटाया जाए। जब तक वे उस पद पर रहेंगे वे उस पद का दुरुपयोग करेंगे और जांच को प्रभावित करेंगे। सुप्रीम कोर्ट पर हमें पूरा भरोसा है। धरने पर बैठे सात महिला खिलाड़ियों ने कोर्ट में एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी करने के लिए याचिका दायर की थी।

खिलाड़ियों ने कहा कि जबतक बृजभूषण को जेल नहीं भेजा जाता तबतक धरना जारी रहेगा। खिलाड़ियों का कहना है कि एफआईआर दर्ज करने में छह दिन लग गए, ऐसे में दिल्ली पुलिस पर उन्हें ज्यादा विश्वास नहीं है। पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि अगर फेडरेशन के अध्यक्ष ही खिलाड़ियों का शोषण करेंगे तो हम शिकायत लेकर कहां जाएंगे। खिलाड़ियों ने बृजभूषण शरण सिंह को सभी पदों से हटाने की मांग की।

दिल्ली के गृह मंत्री ने तिहाड़ जेल में रोटी बनाने की मशीन और जेरिएट्रिक फिटनेस सेंटर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के गृह मंत्री कैलाश गहलोत ने तिहाड़ जेल का दौरा किया। दौरे के दौरान, उन्होंने जेल नंबर एक में एक नई इलेक्ट्रॉनिक रोटी बनाने वाली मशीन का उद्घाटन किया, जो प्रति घंटे एक हजार रोटी बना सकती है। इस नई मशीन से जेल के किचन स्टाफ और कैदियों को काफी फायदा होगा।

इलेक्ट्रॉनिक रोटी बनाने वाली मशीन के अलावा, गृह मंत्री ने जेल नंबर 2 में एक जेरिएट्रिक फिटनेस सेंटर का भी उद्घाटन किया। यह केंद्र विशेष रूप से वृद्ध कैदियों के लिए बनाया गया है। इस केंद्र में वृद्ध कैदी प्रशिक्षित प्रशिक्षक की देखरेख में उपकरणों के साथ फिटनेस प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। यह सुविधा बुजुर्ग कैदियों को उनके फिटनेस स्तर में सुधार करने में मदद करेगी। यह भारत के किसी भी जेल में अपनी तरह का पहला केंद्र है और बुजुर्ग कैदियों को बेहतर देखभाल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गृह मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, दिल्ली में जेल की स्थिति में

सुधार के लिए दिल्ली सरकार के चल रहे प्रयासों के तहत आज मैंने एशिया के सबसे बड़े जेल परिसर तिहाड़ जेल का दौरा किया और वहां रोटी बनाने की मशीन का शुभारंभ किया। यह नई मशीन दिल्ली सरकार द्वारा कैदियों को पौष्टिक और पर्याप्त भोजन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा तिहाड़ जेल में जेरिएट्रिक फिटनेस सेंटर की शुरुआत से बुजुर्ग कैदियों को अपनी फिटनेस में सुधार करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार जेल सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा माननाहै कि प्रत्येक व्यक्ति में सुधार की क्षमता है, और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें ऐसा करने के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करें। मुझे विश्वास है कि हमारी सरकार, जेल अधिकारियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से हम अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज का निर्माण कर सकेंगे।

इस दौरान कैलाश गहलोत ने तिहार जेल स्थित बुनाई, बढ़ईगीरी, बेकिंग, कताई, पेंटिंग, नमकीन, कागज और सरसों के तेल की इकाई वाले कारखाने का भी दौरा किया। उन्होंने तिहाड़ जेल के बहुउद्देश्यीय हॉल का भी दौरा किया। उन्होंने कैदियों द्वारा किए जा रहे उच्च गुणवत्ता वाले कार्यों की प्रशंसा की और कैदियों के पुनर्वास में उनके प्रयासों के लिए जेल अधिकारियों की प्रशंसा की।

गृह मंत्री कैलाश गहलोत का तिहाड़ जेल का यह दौरा केजरीवाल सरकार की दिल्ली की जेलों की स्थिति में सुधार सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। जेल सुधार के लिए दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता सराहनीय है और उनका तिहाड़ जेल का दौरा इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

बृजभूषण शरण के आपराधिक मामलों का लगा पोस्टर

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण के खिलाफ आपराधिक मामलों का पोस्टर लगाया है। आज धरने का छठा दिन है। इस पोस्टर के जरिए बताया गया है कि बृजभूषण शरण के खिलाफ उत्तर प्रदेश के अलग-अलग थानों में तीन दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। इनमें आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर, मारपीट जैसे कई केस शामिल हैं। इस पोस्टर के जरिए एक संदेश दिया जा रहा है कि जो कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष हैं, उनका आपराधिक रिकॉर्ड कैसा है।

उल्लेखनीय है कि महिला पहलवानों के ऊपर यौन उत्पीड़न को लेकर बीते कई दिनों से भारतीय पहलवान जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि कुश्ती महासंघ अध्यक्ष बृजभूषण शरण के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो और जांच करने के बाद उन्हें जेल भेजा जाए। धरने पर बैठे पहलवानों का कई खिलाड़ी भी समर्थन कर चुके हैं। इसी बीच भारतीय पहलवानों के समर्थन में भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा आ गए हैं। उन्होंने ट्वीट कर पहलवानों को अपना समर्थन दिया है। अब तक धरने पर बैठे भारतीय पहलवानों को पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक, कांग्रेस नेता उदित राज, सीपीएम नेता वृंदा करात, आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी, भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत जैसे कई बड़े राजनीतिक दलों के नेता भी अपना समर्थन दे चुके हैं।

छठे दिन सड़क पर कुस्ती के दांव पेचों की जोर आजमाइश

सुबह पहलवान जंतर-मंतर की सड़क पर कुस्ती के दांव पेचों की जोर आजमाइश करते हुए नजर आए। इसके साथ ही पहलवानों ने सड़क पर वर्कआउट भी किया। इसी बीच विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे दिग्गज खिलाड़ी लगातार छठवें दिन आंदोलन कर रहे हैं। इसके अलावा कई युवा कुश्ती के दाव पेंच दिखाते हुए नजर आए। पहलवान बजरंग पुनिया ने सभी को अभ्यास कराया और सड़कों पर दौड़ लगवाई। इस अभ्यास को करने के पीछे एक बड़ी वजह यह भी बताई जा रही है कि खिलाड़ी अपने को फिट रख सकें और आने वाले समय में अपने को तैयार रख सकें।

शोभा यात्राओं पर हमलों में ममता व उनके पार्टी की भूमिका की भी हो जांच : विहिप

नई दिल्ली। कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा बंगाल में रामनवमी की शोभायात्राओं पर किए गए हिंसक हमलों को एनआईए द्वारा जांच के आदेश का विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने स्वागत ने स्वागत किया है। विहिप के केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेन्द्र जैन ने कहा कि इससे यह स्पष्ट हो गया कि रामनवमी की शोभा यात्राओं पर हमला किसी प्रतिक्रिया में नहीं अपितु योजनाबद्ध रूप से किए गए थे। मस्जिदों तथा मुस्लिम समाज के घरों पर पत्थरों तथा पेट्रोल पंप का इकट्ठा हो जाना, मुस्लिम बस्तियों से हिंसक भीड़ का हथियार लेकर निकलना, हिंदुओं पर प्राणघातक हमले करना, घरों दुकानों को आग लगाना और वाहनों को तोड़ना अचानक नहीं हो सकता। यह योजनाबद्ध ढंग से और सुविचारित रूप से किया गया था।

यह किसी आतंकवादी घटना से

कम नहीं है। इसलिए इसकी योजना किसने बनाई, हथियार कहां से लिए गए, कौन-कौन इसमें सहभागी थे इसकी व्यापक जांच होना आवश्यक है जो एनआईए ही कर सकती है। बंगाल पुलिस दंगाइयों के हाथ की कठपुतली बन चुकी है। उन्होंने मांग की कि हिन्दू समाज पर हुए इन हमलों में ममता बनर्जी तथा उनकी पार्टी की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि घटना किसी ने भी की हो लेकिन इसकी प्रेरणा निश्चित तौर पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता के द्वारा दी गई, ऐसी धारणा पूर्ण देश में बन चुकी है। रामनवमी की पूर्व संध्या पर उन्होंने जिस प्रकार की धमकी बंगाल में हमेशा से पीड़ित रहने वाले समाज को दी उससे हमलावरों की हिम्मत बढ़ी और वे हिंसक हमले करने के लिए तत्पर हो गए। इन हमलों में पुलिस की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी जिम्मेदारी पीड़ितों की रक्षा करने की थी लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने पीड़ित समाज के लोगों को ही गिरफ्तार किया। उनकी रक्षा नहीं की। बहुत मुश्किल से उनमें से कुछ की जमानत हो पाई है।

जैन ने कहा कि यह सारा दृश्य ग्रेट कोलकाता किलिंग्स की याद दिलाता है जब मुस्लिम दंगाइयों की भीड़ हिंदू समाज पर हमले करती थी, कत्लेआम मचा दिया था और वहां की पुलिस सोहरावर्दी के निर्देश पर या तो खड़ी थी या दंगाइयों का ही साथ दे रही। ऐसा लगता है ममता बनर्जी सोहरावर्दी की भूमिका में काम कर रही है और अपने वोट बैंक को बचाने के लिए हिंदू समाज पर किसी भी सीमा तक जाकर अत्याचार करती हैं और करवाती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एनआईए की जांच से दूध का दूध-पानी का पानी हो जाएगा, अपराधी पकड़े जाएंगे और उन्हें सजा होगी। हम एनआईए से अपेक्षा करते हैं कि वे इन दंगों में ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच करें।

नोएडा में 10 घंटे में लूट का किया खुलासा, 300 सीसीटीवी कैमरे खंगाले, 5.50 लाख की 6 चेन बरामद

नोएडा। नोएडा पुलिस ने एक चेन लूट की घटना को 10 घंटे के अंदर ही सॉल्व करते हुए लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके लिए पुलिस को 300 सीसीटीवी फुटेज को खंगालनी पड़ी। पकड़े गए लुटेरे शातिर अपराधी हैं और दर्जनों वारदात को अंजाम दे चुके हैं।

इन लोगों ने 10 घंटे पहले ही सेक्टर-53 में महिला के गले से चेन लूटी थी। महिला की शिकायत के बाद ही लुटेरा को पकड़ने के लिए 3 टीमें बनाई गईं। इनके पास से 6 सोने की चेन करीब 5 लाख 50 हजार रुपए की बरामद की गई।डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि महिला ने काले रंग की

स्कूटी सवार और कुछ हुलिया बताया। जिसके बाद इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के माध्यम से डाटा एकत्र किया गया। एक टीम के द्वारा लगभग 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई। लूट करने वाले अपराधियों का डोजियर चेक किया गया। बीट पुलिसिंग के माध्यम से लोकल इंटेलिजेंस से जानकारी लेते हुए चेकिंग की गई। जिसके बाद दोनों शातिर लुटेरा को नेहरू युवा केन्द्र सेक्टर-11 से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से बिना नम्बर प्लेट की काले रंग की स्कूटी भी मिली है। जिससे ये लूटपाट की घटना को अंजाम दे रहे थे।

गाजियाबाद में 30 लाख की लूट का खुलासा, कर्मचारी ने दिया था वारदात को अंजाम, 4 गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के सिहानी गेट थाना क्षेत्र के घूकना इलाके में बीती 23 अप्रैल को बाइक सवार बदमाशों ने शोरूम बंद करने के बाद कैश गिन रहे कैशियर से हथियारों के बल पर 30 लाख रुपये लूट लिए थे और मौके से फरार हो गए थे। जिसकी सूचना शोरूम के मालिक ने पुलिस को दी थी, जिसके बाद से ही पुलिस की आठ टीमें लूट की वारदात को खोलने में लगी थी और आखिरकार पुलिस ने इस लूट

में शामिल 4 बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जिनके कब्जे से लूट के 23 लाख रुपए अवैध असला एवं बाइक भी बरामद की है।